● वर्ष-3
● अंक-14
रायपुर, शुक्रवार
25 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

ईडी छापे के बाद जीतेंगे 75+ सीटः भूपेश

इनका मकसद सिर्फ राजनीतिक, सरकार का काम रोका जाएः मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को दिल्ली में एआईसीसी के मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और उनके सहयोगियों पर ईडी के छापे छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने और दबाने की कोशिश में किए गए। यहां उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जितनी बार ये रेड डालेंगे, उतनी ही इनकी सीटें घटेंगी। साथ ही जब सवाल किया गया कि आपके बर्थडे पर छापे पड़े इसका रिटर्न गिफ्ट क्या देंगे, तो उन्होंने कहा कि, रिटर्न गिफ्ट में नवंबर के रिजल्ट में कांग्रेस 75+ सीट जीतेगी। सरकार के कामकाज को बाधित करने के लिए उनके करीबी लोगों के खिलाफ इस तरह के और छापे मारे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ईडी मेरे राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के यहां पहुंच गई, ओएसडी के घर भी चले गए लेकिन मिला कुछ नहीं। पहले आईटी ने छापा डाला फिर ईडी घुसी और अब कोर्ट में अर्जी लगाते हैं कि इन्हीं केस में सीबीआई जांच हो। उन्होंने कहा कि इनका मकसद यही है कि चलती हुई सरकार का काम रोका जाए, सिर्फ राजनीतिक उद्देश्य हैं, ये प्रजातांत्रिक ढंग से चुनाव नहीं लड़ना चाहते।

चुनाव आते ही एक्टिव हुई ईडी

ईडी की लगातार छत्तीसगढ़ में हो रही छापेमार कार्रवाई को लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यही कोशिश हो रही है किस तरह से सरकार को दबाया जाए। उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा

चुनाव में बीजेपी को करारा जवाब देंगे और छत्तीसगढ़ से बीजेपी का सफाया कर देंगे। यहां छत्तीसगढ़ सरकार को दबाने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। जुलाई 2020 में झारखंड चुनाव हारने के बाद बीजेपी ने इसकी शुरुआत की। वे ढाई साल तक चुप थे, लेकिन चुनाव करीब आते ही फिर से सक्रिय हो गए हैं।

सीएम ने कहा कि जांच एजेंसियां छत्तीसगढ़ में 2,168 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगा रही हैं, जिसे वे साबित करने में असमर्थ हैं, क्योंकि छापे में बरामद संपत्ति उस राशि का केवल एक अंश है। बीजेपी की समस्या यह है कि वह इस बात से परेशान है कि सरकार ने किसानों से 107 लाख मीट्रिक टन धान कैसे खरीद लिया, जो पहले खुले में सड़ जाता था।उन्होंने कहा,हमने उन सभी नुकसानों को बचा लिया। यही उनकी चिंता है।

गृहमंत्री शाह पर साधा निशाना

सीएम ने कहा कि हमारे गृहमंत्री सीधे बीजेपी ऑफिस जाते हैं, वे एक रात रुकते हैं और वापिस चले जाते हैं। सारी पूछताछ अमानवीय तरीके से 11 बजे के बाद होती है और डर दिखाते हैं कि हम जो लिखकर लाए हैं, उस पर साइन करो नहीं तो जेल जाओ, छोटे से राज्य में 200 से ज्यादा छापे पड़े हैं।

मोदी और शाह को थैंक्यू

व्यंग्यात्मक जवाब में, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर मिले अमूल्य उपहार के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए जवाब दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर एक पोस्ट में प्रिय प्रधान मंत्री और अमित शाह को संबोधित किया और कहा, मेरे जन्मदिन के दिन आज आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार एवं मेरे ह्रस्ष्ठ सहित करीबियों के यहाँ श्वष्ठ भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार।

ऑनलाइन सट्टा एप में की पूरी कार्रवाई

सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टा एप में सरकार ने पूरी कार्रवाई की है, लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया है। सीएम ने कहा कि मेरे पास पूरे डॉक्यूमेंट हैं लेकिन आरोपी को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को मैंने कहा कि मेरे जन्मदिन के दिन आपने रेड कराई ये बहुत बड़ा उपहार है, रिटर्न गिफ्ट में नवंबर के विधानसभा चुनाव के रिजल्ट में 75 सीट देंगे हम।

15 साल की सरकार 15 सीट में सिमट गई

भूपेश बघेल ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ के लोग हैं और हम न मरने से डरते हैं, न जेल जाने से...15 साल की सरकार, 15 सीट में सिमट गई। उन्होंने दावा किया कि अगले कुछ महीनों में आयकर के 200-250 कर्मियों की एक टीम पूरे छत्तीसगढ़ में छापेमारी करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वे अधिक छापेमारी करेंगे, उनकी सीटें कम होती जाएंगी।

भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने और दबाने की कोशिश की जा रही है...ये सिलसिला जुलाई 2020 से शुरू हुई जब झारखंड चुनाव में इन्हें (भाजपा) हार का सामना करना पड़ा उसके बाद इन्होंने इसकी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हम छत्तीसगढ़ के लोग हैं। हम मरने और जेल जाने से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को तकलीफ ये है कि किसानों के 107 लाख मीट्रिक टन धान की बिलिंग कैसे हो गई? अभी तक होता ये था कि फसल बाहर पड़ी-पड़ी सड़ जाती थी। वो सारे नुकसान हमने बचाए हैं, उन्हें इसी बात की परेशानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ सरकार को दबाने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

इन दिनों

✍ नीरज कुमार दुबे

अब कांग्रेस जी-20 शिखर सम्मेलन से तकलीफ

भारत को जबसे जी-20 की अध्यक्षता मिली है तबसे विपक्ष के कुछ नेता बहुत परेशान हैं। खासकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बहुत ज्यादा तकलीफ में नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर वक्तव्य, हर उपलब्धि, हर फैसले और हर नीति पर कटाक्ष करने से नहीं चूकने वाले जयराम रमेश मोदी विरोध में कभी कभी बहुत आगे निकल जाते हैं। जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आजादी के अमृत काल को देश ने धूमधाम से मनाया लेकिन जयराम रमेश ने अमृत काल को अमरूद काल बता दिया। भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात कही गयी तो जयराम रमेश ने कह दिया कि इसमें सरकार को क्या करना है, भारत अपने आप ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। देखा जाये तो भारत की हर कामयाबी को कम करके आंकने और भारत की हर उपलब्धि का श्रेय गांधी परिवार को देने के लिए जयराम रमेश इतने आतुर रहते हैं कि उन्होंने कांग्रेस में बड़े से बड़े नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। अब जयराम रमेश के निशाने पर जी-20 शिखर सम्मेलन है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले विश्व नेताओं की आवभगत के लिए जो प्रबंध किये जा रहे हैं उससे भारत के आतिथ्य सत्कार का ही गुणगान विश्व भर में होने वाला है। लेकिन जयराम रमेश इस सबसे बहुत चिंतित हैं क्योंकि उन्हें यह अच्छा नहीं लगेगा कि शानदार आयोजन के लिए विश्व नेता मोदी की पीठ थपथपाएं। जयराम रमेश को लग रहा है कि मोदी इस सबका फायदा चुनावों में ले लेंगे। जयराम रमेश को लगता है कि मोदी को चुनावों में जी-20 का फायदा मिला तो वह कहीं फिर से प्रधानमंत्री ना बन जायें। दरअसल जयराम रमेश के इस पूरे डर के पीछे कारण यह है कि उनका खुद का कॅरियर दांव पर लगा हुआ है। जयराम रमेश जानते हैं कि यदि 2024 में कांग्रेस फिर चुनाव हारी तो सबसे पहले पार्टी के नेता उन पर ही गाज गिरायेंगे इसलिए वह हर रोज कोई ना कोई मुद्दा निकाल कर लाते हैं और प्रयास करते हैं कि इससे मोदी विरोध को हवा दी जा सके। जहां तक जी-20 के आयोजन से चुनावी लाभ होने की बात है तो जयराम रमेश को अपनी चिंता दूर करनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें देशभर में आयोजित की गयीं। जिस भी शहर में यह बैठकें हुईं वहां की राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने मेहमानों की आवभगत में पलक-पांवड़े बिछा दिये और बैठक को हर मायने में सफल बनाया। जी-20 समूहों की बैठकों को सफल बनाने में कांग्रेस शासित राज्य भी पीछे नहीं रहे। इसलिए सवाल उठता है कि बैठक के सफल होने का फायदा वहां सत्ता में मौजूद पार्टी को मिला या देश को? कश्मीर में जी-20 पर्यटन समूह की सफल बैठक हुई। इसका फायदा कश्मीर को मिला या प्रधानमंत्री मोदी को?

भाजपा के पहले प्रधानमंत्री थे नरसिम्हा रावः मणिशंकर

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव सांप्रदायिक् थे और उन्हें देश का पहला भाजपा प्रधान मंत्री बताया। पूर्व राजनयिक, जिनकी आत्मकथा मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक - द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स (1941-1991) सोमवार को प्रदर्शित हुई। इसी दौरान पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत करते हुए कहा गया कि जब उस देश की बात आती है, हमारे पास उनके खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस है लेकिन हमारे पास मेज पर बैठकर किसी पाकिस्तानी से बात करने का साहस नहीं है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख और राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी दर्शकों में मौजूद थीं। जगरनॉट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक, वेल्हम प्रिपरेटरी स्कूल से दून स्कूल और फिर सेंट स्टीफंस

कॉलेज और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय तक, और संवेदनशील कार्यभार संभालने वाले एक शीर्ष राजनयिक से लेकर तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गांधी के प्रमुख सहयोगी तक, जिन्हें %मणि फ्राइडे% करार दिया गया था। अय्यर 1985-1989 तक राजीव गांधी के पीएमओ का हिस्सा थे। यहां अपनी पुस्तक के औपचारिक विमोचन के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी के साथ स्वतंत्र बातचीत में, अय्यर ने कई मुद्दों पर बात की - पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी के साथ अपने संबंधों से लेकर दिसंबर 1978 से जनवरी 1982 तक कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में उनके कार्यकाल तक।

सांप्रदायिक थे राव

पुस्तक के विमोचन पर अपनी टिप्पणी में, अय्यर ने कहा कि उन्हें पता चला कि पी वी नरसिम्हा राव कितने सांप्रदायिक और कितने हिंदू-उन्मुख थे। अय्यर ने राव के साथ उस समय हुई बातचीत का जिक्र किया जब वह %राम-रहीम% यात्रा निकाल रहे थे। नरसिम्हा राव ने मुझसे कहा कि उन्हें मेरी यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वह धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा से असहमत थे। मैंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा में क्या गलत है। उन्होंने कहा कि मणि तुम यह नहीं समझते कि यह एक हिंदू देश है।

मुकुट मणि फिर से चमके हैं

मणिशंकर अय्यर के एक बयान को लेकर भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि इस तथ्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि मणिशंकर अय्यर जो कुछ भी लिखते हैं, बोलते हैं और प्रोजेक्ट करते हैं, वह केवल कलम और जीभ है जो उनकी है लेकिन उनके विचार और उद्देश्य गांधी परिवार के हैं। वह कुछ नहीं करते बल्कि केवल गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व करते हैं। पात्रा ने कहा कि मणिशंकर अय्यर, गांधी परिवार के मुकुटमणि हैं, अगर कोई आत्मकथा मणिशंकर की लिखी गई है या वह कोई बयान देते हैं तो वह केवल मणिशंकर का बयान है, ऐसा नहीं है। इसका मतलब है कि जिव्हा मणिशंकर की है और विचार गांधी परिवार के हैं।

दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए विस्तृत यातायात व्यवस्था के हिस्से के रूप में अपने वेबसाइट के माध्यम से एक ऑनलाइन हेल्प डेस्क स्थापित करेगी। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) सुरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही एक परामर्श जारी किया जाएगा। यादव ने कहा, भारतीयों के रूप में यह गर्व की बात है कि हम इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं।

प्रमुख समाचार

कश्मीर में उगता है दुनिया का सबसे उच्च गुणवत्ता वाला अंगूर

नईदिल्ली। कश्मीर में अब तक सेब के उत्पादन पर ही ज्यादा ध्यान दिया जाता था लेकिन अब अंगूर की खेती पर भी जोर दिया जा रहा है जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। कश्मीर के मध्य गांदरबल जिले का एक गांव पूरी घाटी में अंतरराष्ट्रीय

गुणवत्ता वाले अंगूरों के गढ़ के रूप में उभर कर सामने आया है। अंगूर की गुणवत्ता ऐसी है कि आप भी देखते रह जाएंगे। माना जाता था कि विश्व में अंगूर के सबसे बढ़िया दाने का वजन लगभग छह से सात ग्राम का होता है लेकिन कश्मीर के रेपोरा गांव में जो अंगूर उपजा है उसके एक दाने का वजन दस ग्राम है।हम आपको बता दें कि कश्मीर का रेपोरा गांव हिमालय श्रृंखला के पहाड़ों की तलहटी पर स्थित है। यहां सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भी है और इलाका खुला होने के चलते धूप भी अच्छी आती है जोकि अंगूर की खेती के लिए जरूरी है। रेपोरा गाँव में लगभग 60 हेक्टेयर भूमि पर अंगूर की खेती की जाती है, जिससे 750 से 900 मीट्रिक टन अंगूर की पैदावार होती है। इससे इस क्षेत्र के सैंकड़ों परिवारों को आजीविका मिलती है। इस गांव के अंगूरों को रेपोरा अंगूर के नाम से भी जाना जाता है।

भ्रष्टाचारियों पर मुकदमे नहीं, विभागीय मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भ्रष्ट कर्मचारियों-अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगने वाले सीबीआई के 500 से अधिक अनुरोध विभिन्न सरकारी विभागों में लंबित थे। सीवीसी की 2022

की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 272 अनुरोध तीन महीने से अधिक समय से लंबित थे। सरकारी विभागों को किसी भ्रष्ट अधिकारी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगने वाले अनुरोधों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होता है। ऐसे मामलों में जिन पर अटॉर्नी जनरल या उनके कार्यालय में किसी अन्य कानून अधिकारी के साथ परामर्श की आवश्यकता होती है, एक महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। सीवीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीबीआई ने बताया था कि 2022 के अंत में पीसी अधिनियम, 1988 के तहत अभियोजन की मंजूरी के लिए विभिन्न संगठनों से संबंधित कुल 198 मामले लंबित थे। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र/राज्य सरकार और अन्य विभागों व प्राधिकरणों के पास लंबित इन मामलों में वर्ष 2022 के दौरान अभियोजन मंजूरी के लिए 525 अलग-अलग अनुरोध किए गए हैं।

हरियाणा हिंसा के दौरान हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। हरियाणा में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान बजरंग दल के एक सदस्य की हत्या के आरोप में गुरुग्राम पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नूंह में 31 जुलाई को विहिप की शोभायात्रा पर कथित रूप से पथराव के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। हिंसा पड़ोसी जिले गुरुग्राम में भी फैल गई थी। हिंसा में दो होम गार्ड और एक इमाम समेत छह लोगों की मौत हुई है। प्रदीप कुमार शर्मा गुरुग्राम के सोहना इलाके के एक समूह का हिस्सा थे, जिसने विहिप की यात्रा में भाग लिया था। जब वे सोहना में जावेद कॉलोनी की ओर लौट रहे थे, तो नूंह में सांप्रदायिक झड़प के कुछ घंटों बाद दंगाइयों ने उनकी कार पर पथराव किया। पुलिस ने उन्हें भीड़ से बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन दो अगस्त को शर्मा की मौत हो गई। गुरुग्राम पुलिस के एसआईटी ने इस मामले में सोहना की रायपुर कॉलोनी निवासी अजहरुद्दीन उर्फ अज्जू को गिरफ्तार किया है। एसआईटी के प्रमुख विजय प्रताप सिंह ने कहा, ''गिरफ्तार आरोपी को आज शहर की एक अदालत में पेश किया गया और हमने उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है।

अगले सत्र में उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने की तैयारी

नईदिल्ली। उत्तराखंड सरकार आगामी विधानसभा सत्र में समान नागरिक संहिता का बिल सदन के पटल पर रख सकती है। इसके पहले यूसीसी कमेटी इसका ड्राफ्ट राज्य सरकार को सौंप सकती है। कमेटी से ड्राफ्ट मिलते ही इसे विधानसभा के पटल पर रखने की तैयारी शुरू कर दी जायेगी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इसे भाजपा का बड़ा गेम प्लान करार दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार स्वयं सीधे राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी कानून लाने के पहले भाजपा शासित राज्यों के स्तर पर इसे लागू कर इसके राजनीतिक असर की %टेस्टिंग% करना चाहती है। उत्तराखंड में कानून लाकर इसके जरिए बड़ा संदेश देने की कोशिश भी की जा सकती है। इस लिहाज से उत्तराखंड यूसीसी कानून का मॉडल स्टेट बन सकता है। हालांकि, उत्तराखंड के साथ-साथ गुजरात में भी यूसीसी लाने की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, उत्तराखंड मॉडल से ही इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर संदेश दिए जाने के प्लान को अंतिम रूप दे दिया गया है। केंद्र का संकेत मिलने के बाद जी-20 के आयोजन के बाद इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

आलिया भट्ट और कृति सेनन को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

नईदिल्ली। प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह के विजेताओं की घोषणा 24 अगस्त को दिल्ली में की गयी। आलिया भट्ट और कंगना रनौत सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी। वहीं आर माधवन, जोजू जॉर्ज और एमएम कीरावनी के पास पुरस्कार जीतने की प्रबल संभावना थी। अब 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2023 के विजेताओं की घोषणा कर दी गयी है। सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म- आरआरआर, कई पुरस्कार विजेता आरआरआर ने सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म की ट्रॉफी अपने नाम कर ली, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जाता है, अल्लू अर्जुन को पुष्पा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री - आलिया, कृति, जहां आलिया भट्ट ने गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए पुरस्कार जीता।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव

चुनाव से डेढ़ माह पहले भाजपा क्यों उठाने जा रही जोखिम

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में चुनावों की घोषणा हो सकती है। इससे पहले सत्ताधारी भाजपा असंतुष्ट नेताओं को मनाने के साथ साथ क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन साधने में जुट गई है। चुनाव से महज डेढ़ माह पहले भाजपा राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार करने जा रही है। इसे लेकर सत्ता और संगठन में बैठकों का दौर जारी है। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा इसे लेकर अनिश्चितता है। इस समय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा 30 मंत्री हैं। 35 मंत्रियों वाली मुख्यमंत्री की मंत्रिपरिषद में अभी चार पद खाली हैं। नए बने मंत्रियों को कामकाज के लिए सिर्फ डेढ़ माह का ही वक्त मिलेगा।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि हाल में जब केंद्रीय मंत्री अमित शाह का दौरा हुआ और उन्हें प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव ने ये फीडबैक दिया। इसके मुताबिक मंत्रिमंडल विस्तार न होने से कई बड़े नेता नाराज हैं। इसी के बाद ही मंत्रिमंडल विस्तार की कवायद शुरु हो गई है। सीएम हाउस में बुधवार देर रात हुई बैठक में रीवां विधायक राजेंद्र शुक्ला और बालाघाट विधायक गौरीशंकर बिसेन को मंत्रिमंडल में शामिल करने पर सहमति बन गई। बाकी के दो विधायकों के नाम पर राय नहीं बन सकी। मंत्रिमंडल में लोधी वर्ग के प्रतिनिधि को जगह दी जानी है। दलित— आदिवासी वर्ग से भी एक मंत्री बनाने पर मंथन चल रहा है। लेकिन ये कौन होंगे अभी इनके नाम तय नहीं हुए हैं। गुरुवार को भी सुबह भी

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच करीब आधा घंटा बैठक चली है। अगर नामों पर सहमति बनती है तो मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण की तारीख और समय तय हो जाएगा।

इसलिए पड़ी मंत्रिमंडल विस्तार की जरूरत

अमर उजाला से बातचीत में वरिष्ठ पत्रकार ऋषि पांडेय कहते हैं कि विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा अपनी कड़ियां मजबूत करने में लगी हुई है। इसलिए क्षेत्रीय-जातिगत समीकरणों को साधने के लिए पार्टी ने मंत्रिमंडल विस्तार करने जा रही है। राज्य में जब 2020 में बीजेपी की जो सरकार बनी, वह ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन से बनी है। सिंधिया के साथ आए लोगों को साधने के चक्कर में कैबिनेट में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बिगड़ गया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि कई क्षेत्रों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिल गया। इसकी वजह से पार्टी में असंतोष बढ़ता जा रहा था। आखिरी विस्तार के जरिए पार्टी असंतोष को कम करने की कोशिश कर रही है। प्रदेश के विंध्य-बुंदेलखंड को मिलाकर करीब 56 सीटें हैं। इसके बावजूद दोनों इलाकों का प्रतिनिधित्व शिवराज कैबिनेट में न के बराबर है। पिछले चुनावों में भाजपा को मालवा-निमाड़ और ग्वालियर-चंबल संभाग में हार मिली थी। लेकिन विंध्य क्षेत्र से पार्टी को अच्छी सफलता मिली थी। बावजूद इसके सरकार में विंध्य क्षेत्र को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। सरकार में विंध्य क्षेत्र की उपेक्षा की वजह से क्षेत्र की जनता और स्थानीय बीजेपी नेता नाराज हैं। इसलिए, पार्टी अब लोगों और स्थानीय नेताओं की नाराजगी दूर करने के लिए विंध्य क्षेत्र से राजेंद्र शुक्ला को मंत्री बनाकर ब्राह्मणों को साधने में जुटी है।

इसलिए नए मंत्रियों पर बढ़ेगा दबाव

पांडेय कहते है कि, प्रदेश में अक्टूबर के पहले हफ्ते में आचार संहिता लग सकती है इसलिए नए मंत्रियों को मंत्रालय संभालने और काम करने के लिए महज डेढ़ माह का ही समय मिलेगा। ऐसे में उन्हें अपने क्षेत्र के लोगों के कामों और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए बहुत कम समय है। इन डेढ़ माह में मंत्रियों पर अपने पद के दायित्वों को पूरा करने का दबाव लगातार बना रहेगा। इस दौरान लोगों के काम नहीं हुए तो उन्हें चुनाव में इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है।

1 लाख के दो ईनामी नक्सली सहित 14 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दन्तेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वर्राटू (घर वापस आईये अभियान) के तहत कटेकल्याण एवं मलांगेर एरिया कमेटी के प्रतिबंधित नक्सली संगठन के 1 लाख के दो ईनामी नक्सली सहित कुल 14 नक्सलियों ने कमलोचन कश्यप उप पुलिस महानिरीक्षक दन्तेवाड़ा रेंज, विकास कठेरिया उप पुलिस महानिरीक्षक (परि) सीआरपीएफ दन्तेवाड़ा रेंज, गौरव राय पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा, प्रभाकर उपाध्याय द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ रेंज दंतेवाड़ा, नीरज यादव, कमाण्डेंट, 111वीं वाहिनी, सीआरपीएफ., सुरेन्द्र सिंह, कमाण्डेंट, 231वीं वाहिनी, सीआरपीएफ., रामकुमार बर्मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा एवं सत्य नारायण तंवर डिप्टी कमाण्डेंट (आसूचना शाखा) सीआरपीएफ के समक्ष पुलिस अधीक्षक कार्यालय दंतेवाड़ा में आत्मसमर्पण कर दिया है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों में ग्राम तनेली डीएकेमएस अध्यक्ष, भूमा माडवी पिता स्व बुधरा माडवी, ग्राम पेडका केएएमएस अध्यक्ष, कुमारी हिडमे माडवी पिता स्व. आयतु माडवी, अरनपुर पंचायत जनताना सरकार उपाध्यक्ष, हुंगा कुहडाम पिता स्व.

जोगा कुहडाम, जियाकोडता पंचायत सीएनएम सदस्या, कुमारी हुंगी कोवासी पिता स्व. हिडमा कोवासी, जियाकोडता पंचायत सीएनएम सदस्य, हडमा सोडी पिता कोसा उर्फ मूया सोडी, जियाकोडता पंचायत मिलिशिया सदस्य, कोसा करटाम पिता वेल्ला करटाम, जियाकोडता पंचायत मिलिशिया सदस्य, लिंगा पोडियाम पिता बोंदा पोडियाम, जियाकोडता पंचायत मिलिषिया सदस्य, राजू कोवासी पिता लिंगा कोवासी, जियाकोडता पंचायत डीएकेएमएस सदस्य, हडमा सोडी पिता स्व. कोंदा सोडी, जियाकोडता पंचायत मिलिशिया सदस्य, पोज्जा करटाम पिता स्व. मासा करटाम, जियाकोडता पंचायत मिलिशिया सदस्य, गंगा कोवासी पिता लिंगा कोवासी, जियाकोडता पंचायत मिलिषिया सदस्य, राजू करटाम पिता हिडमा करटाम, ग्राम पेडका सीएनएम सदस्या, कुमारी हिडमे कवासी पिता स्व. मंगडू कवासी तथा ग्राम पेडका केएएमएस सदस्या, कुमारी पाण्डे कवासी पिता स्व. नंगा कवासी ने आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी सीआरपीएफ रेंज दन्तेवाड़ा , 111 वीं वाहिनी एवं 231 वीं वाहिनी सीआरपीएफ का विषेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा द्वारा उपरोक्त आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुनर्वास योजना के तहत् मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ प्रदाय कराया जायेगा। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक जिले में 161 ईनामी नक्सली सहित कुल 629 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

1-1 लाख के दो ईनामी नक्सली विस्फोटक के साथ गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन के तहत थाना किस्टाराम एंव चितागुफा से जिलाबल, डीआरजी की संयुक्त पार्टी एवं कोबरा व एसटीएफ की संयुक्त बल तिंगनपल्ली एवं ग्राम कसालपाड़ जंगल पहाड़ी के पास आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुये थे। अभियान के दौरान ग्राम तिंगनपल्ली के जंगल से मिलिशिया कमाण्ड इन चीफ एक लाख का ईनामी दुधी कोसा पिता दुधी हड़मा साकिन गुण्डराय को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 1 नग टिफिन बम लगभग 3 किग्रा वजनी, इलेक्ट्रिक वायर 30 मीटर, कोडेक्स वायर 2 फीट विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया। वहीं ग्राम कसालपाड़ जंगल पहाड़ी के पास से नक्सलियों के डीएकेएमएस अध्यक्ष एक लाख का ईनामी बारसे रामा पिता जोगा साकिन कसालपाड़ को गिरफ्तार कर इसके निशानदेही पर झाडी एवं पत्थर क नीचे छुपाकर रखे 4 नग जिलेटिन रॉड, 4 नग डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर 10 मीटर बरामद किया गया।

गिरफ्तार नक्सली मिलिशिया कमाण्ड इन चीफ दुधी कोसा के विरूद्ध थाना किस्टाराम में अपराध क्रमांक 04/2023 धारा 4 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आज न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिला किया गया। उल्लेखनीय हैं कि आरोपी दूधी कोसा विगत 20 वर्षो से नक्सल संगठन में सक्रिय रहते हुये विभिन्न अन्य नक्सली वरदातों में संलिप्त रहा है। नक्सली दुधी कोसा निवासी गुण्डराय वर्ष 2003-2004 तक बाल संघम सदस्य। वर्ष 2004-2006 तक डीएकेएमएस सदस्य। वर्ष 2007-अबतक मिलिशिया कमाण्ड इन चीफ (एलमागुण्डा आरपीसी अंतर्गत) के पद पर रहते हुए सक्रिय रहा। नक्सली चीफ दुधी कोसा वर्ष

2020 मिनपा मुठभेड़ की घटना में स्टाप पार्टी में शामिल रहा। एलमागुण्डा कैम्प में 02 बार फायरिंग की वारदात में शामिल रहा। टोण्डामरका कैम्प में 01 बार फायरिंग वारदात में शामिल रहा। रोड खोदना/स्पाईक लगाना आदि में भी शामिल रहा।

गिरफ्तार बारसे रामा 16 जुलाई 2022 को कैम्प मिनपा में फायंरिग करने की घटना में शामिल रहा, घटना पर थाना चिंतागुफा मे अपराध क्रमांक 06/2022 धारा 147, 148, 149, 307, 120 (बी) भादवि., 25, 27 आर्म्स एक्ट प्रकरण पंजीबद्ध है। आज माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिला किया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी बारसे रामा विगत 08 वर्षो से नक्सल संगठन में सक्रिय रहते हुये विभिन्न अन्य नक्सली वारदातों में संलिप्त रहा हैं। नक्सली बारसे रामा वर्ष 2015- 2017 तक बाल संघम सदस्य। वर्ष 2017-2018 तक डीएकेएमएस सदस्य। वर्ष 2018-अबतक डीएकेएमएस अध्यक्ष (करीगुण्डम आरपीसी अंतर्गत) सक्रिय रहा। नक्सली बारसे रामा वर्ष 2020 टेकलगुड़ा जाने के रास्ते में स्पाईक लगाने में शामिल रहा। वर्ष 2022 कैम्प मिनपा में फायरिंग की वारदात में शामिल रहा। डब्बाकोंटा रास्ते में पेड़ काटकर रास्ता अवरूद्ध करने की घटना।

गट्टापाल व परिया में मुठभेड़ के बाद जवानों ने दो बड़े नक्सली कैम्प किया ध्वस्त

दंतेवाड़ा। जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सल प्रभावित ग्राम सिमेल के दक्षिण में गट्टापाल और परिया के बीच पहाड़ी में 24 घंटे तक चले नक्सल अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में नक्सली अपने को कमजोर पड़ता देख भाग खड़े हुए। मुठभेड़ के बाद इलाके की सर्चिंग में पुलिस जवानों ने लगभग 80-100 नक्सलियों के रहने की क्षमता वाले दो बड़े-बड़े नक्सली कैम्प ध्वस्त कर दिए हैं, दो एकड़ क्षेत्र में फैले नक्सली ट्रेनिंग कैंप ध्वस्त कर मौके से बड़ी मात्रा में राशन का समान, 16 नग एके 47 की गोली, नक्सली वर्दी, प्रिंटर, प्रिंटर इंक, मल्टीमीटर, बैटरी चार्जर, इलेक्ट्रिक वायर, पिट्ठू, बर्तन, पॉलिथिन, बड़े-बड़े जर्किन, दवाइयां, नक्सल साहित्य और भारी मात्रा में दैनिक उपयोगी का सामान बरामद किया गया। इसके अलावा मौके से एक सोलर प्लेट भी बरामद किया गया था। जिसे राशन सामग्री के साथ ही मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुकमा व दंतेवाड़ा के सरहदी क्षेत्र गोगुंडा, सिमेल, गट्टापारा के जंगल-पहाड़ी में दरभा डिवीजन के केरलापाल एरिया कमेटी एसजेडसीएम चैतु, बारसे देवा, जगदीश, जयलाल के साथ लगभग 25-30 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों की उपस्थिति की मिली सूचना पर डीआरजी सुकमा, एसटीएफ, 201 वाहिनी कोबरा व डीआरजी दंतेवाड़ा के संयुक्त बलों द्वारा विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान दंतेवाड़ा डीआरजी की पार्टी को सर्चिंग करते हुए सिमेल के दक्षिण की पहाड़ी के पास नक्सली के टेंट दिखाई दिए, जिसे घेराबंदी कर ही रहे थे कि नक्सलियों ने डीआरजी टीम को देख कर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में डीआरजी के जवानों द्वारा भी फायरिंग किया गया, जिससे नक्सली खुद को कमजोर पड़ता देख जंगल-पहाड़ी का आड़ लेकर भाग गये। अभियान के दौरान दंतेवाड़ा की डीआरजी की टीम सिमेल के दक्षिण गट्टा पाल और परिया के बीच पहाड़ी को सर्च करते हुए आगे बढ़ रही थी जहां पर लगभग 80-100 नक्सलियों के रहने की क्षमता वाले दो बड़े-बड़े नक्सली कैम्प मिले। लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा ट्रेनिंग कैंप चलाया जा रहा था, जिसे जवानो द्वारा ध्वस्त किया गया।

नक्सलियों द्वारा जंगल में छुपाए बंदूक व विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा। सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने के मकसद से नक्सलियों द्वारा जंगल में छुपा कर रखे गए भरमार बंदूक, टिफिन आईईडी बम सहित अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद कर सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने बरामद विस्फोटक सामग्री को अपने कब्जे में लेकर जप्त किया। इस कार्रवाई में डीआरजी, बस्तर फाईटर्स एवं कोबरा 202 वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही में शामिल थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के अति संवेदनशील क्षेत्र जबेली, सिंगाराम, डब्बापाड़, पुसगुड़ा, मेहता, दंतेशपुरम, कंगालतोंग, कोराजगुड़ा, पाताभेजी के जंगल पहाड़ी में कोटा एरिया कमेटी एवं किस्टाराम एरिया कमेटी के लगभग 20-25 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। नक्सलियों की सूचना पर सुरक्षा बल की संयुक्त पार्टी इलाके में नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए रवाना की गई थी। जवान सर्चिंग करते हुए आगे बढ़ रहे थे, इस दौरान सुरक्षा बल के जवानों को अज्ञात नक्सलियों के द्वारा छिपाकर रखे गए विस्फोटक सामग्री बरामद किया। जिसमें भरमार बंदूक 1 नग, टिफिन आईईडी 1 नग, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर 15 नग, इलेक्ट्रिक वायर 2 बंडल, लिथियम बैटरी बड़ा 1 नग, लिथियम बैटरी छोटा 1 नग, टॉर्च बैटरी 1 नग, सोलर लाईट 1 नग, माचिस 1 नग, इलेक्ट्रिक स्वीच 1 नग, फटाखा 4 नग, नक्सल साहित्य एवं पर्चे, काली वर्दी, 1 जोड़ी, कैप 1 नग बरामद किया।

एएसपी नक्सल ऑपरेशन प्रभात कुमार ने बताया कि इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर इलाके के सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों के द्वारा जंगल में छुपा कर रखे एक भरमार बंदूक, टिफिन आईईडी, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर सहित अन्य विस्फोटक सामग्री को जप्त किया गया है, वही आगे भी नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान जारी रहेगा।

उत्कृष्ट कार्य करने पर आयुष केन्द्र कोटरा को मिला संभाग स्तरीय प्रथम पुरस्कार

कांकेर। आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने एवं संक्रमण नियंत्रण के उपायों हेतु प्रोत्साहित किये जाने तथा सेवा गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कायाकल्प-आयुष कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कायाकल्प-आयुष अंतर्गत चयनित संस्थाओं को प्रोत्साहित तथा पुरस्कृत करने के लिए हॉटेल बेबीलॉन कैपीटल व्ही.आई.पी. चौक रायपुर में आज उपमुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कायाकल्प आयुष के तहत् निर्धारित मापदंडों पर समस्त संस्थाओं का मूल्यांकन किया जाकर उत्कृष्ट संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें आयुष केन्द्र एवं स्पेशिलिटी क्लीनिक श्रेणी मंद कांकेर जिले के आयुष केन्द्र कोटतरा को संभाग स्तरीय प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसी प्रकार शासकीय आयुर्वेद औषधालय तरहूल को द्वितीय पुरस्कार तथा शासकीय आयुर्वेद औषधालय दबेना को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त पुरस्कार संबंधित आयुर्वेद औषधालय के चिकित्सा अधिकारी एवं स्टाफ के द्वारा प्राप्त किया गया।

सैलजा पहुंची राजनांदगांव, टिकट के दावेदारों ने किया शक्ति प्रदर्शन

राजनांदगांव। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के तौर पर गुरुवार को राजनांदगांव पहुंची कुमारी सैलजा का टिकट के दावेदारों ने जमकर शक्ति प्रदर्शन किया। शहर के अलग-अलग चौक- चौराहों में उनका स्वागत करने के लिए कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी रही। सैलजा ने झीरम नक्सल हमले में मारे गए दिवंगत नेता स्व. उदय मुदलियार की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर माल्यार्पण किया।

पहले राजनीतिक प्रवास पर पहुंची कुमारी सैलजा का कांग्रेसजनों व टिकट के दावेदारों ने पार्टी आलाकमान, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा और प्रदेश प्रभारी सचिव चंदन यादव के जिंदाबाद के नारे लगाए। अपने स्वागत से प्रदेश प्रभारी अभिभूत नजर आई,

उनके स्वागत में कांग्रेसजनों ने पुष्पवर्षा की गई और गुलदस्ते भी भेंट किए। प्रदेश प्रभारी सैलजा ने झीरम नक्सल हमले में मारे गए दिवंगत नेता स्व. उदय मुदलियार की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर माल्यार्पण किया। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रभारी ने मुदलियार के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को अक्षुण्य करार दिया। सैलजा ने स्थानीय पोस्ट ऑफिस चौराहे पर स्थित मूर्ति में श्रद्धासुमन के फूल अर्पित किए। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुदलियार अमर रहे के नारे लगाए। उल्लेखनीय है कि अविभाजित राजनांदगांव के छह सीटों के दावेदारों ने हाल ही में ब्लॉकों में अपने आवेदन जमा किए हैं। कांग्रेस में टिकट के लिए मारामारी की भी नौबत दिख रही है। सत्तारूढ़ दल होने के कारण कांग्रेस से टिकट हासिल करने दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

वन विभाग ने रालापल्ली से अवैध सागौन चिरान बरामद किया

बीजापुर। भोपालपटनम नगर पंचायत क्षेत्र में रालापल्ली निवासी बाबा शेख पिता रहीम शेख के घर पर अवैध सागौन चिरान रखने की सूचना पर आईटीआर के कोर क्षेत्र के एसडीओ मनोज बघेल और सामान्य वन मंडल के एसडीओ नीतीश रावटे की संयुक्त टीम में घर में दबिश देकर 68 नग लगभग 1.394 अवैध सागौन चिरान बरामद कर वन अधिनिय पीआरओ नंबर 14743/05 के तहत कार्यवाही किया गया है। वहीं रालापल्ली निवासी विजार खान पिता ललिया खान के घर से 22 नग अवैध सागौन चिरान लगभग 0.665 घन मीटर जब्त कर वन अधिनिय पीआरओ नंबर के तहत 14743/06 कार्यवही किया गया है। वन विभाग के एसडीओ मनोज बघेल ने बताया कि मिली सूचना के आधार पर भोपालपटनम नगर पंचायत के रालापल्ली निवासी बाबा शेख पिता रहीम शेख के घर से 68 नग लगभग 1.394 घमी सागौन चिरान जब्त किया गया है। वहीं रालापल्ली निवासी विजार खान पिता ललिया खान के घर से 22 नग अवैध सागौन चिरान लगभग 0.665 घन मीटर जब्त कर वन अधिनिय के तहत कार्यवाही किया गया है।

नाइट एक्सप्रेस हुई नियमित हीराखंड व पेसेंजर रहेगी रद्द

जगदलपुर। रेलवे ने नाइट एक्सप्रेस को नियमित रूप से संचालित करने का फैसला लिया है। विदित हो कि इसे एक दिन छोडकर चलाने की बात रेलवे ने पहले कही थी, लेकिन अब इसे नियमित रूप से संचालित करने को कह दिया है। हालांकि पैसेंजर और हीराखंड एक्सप्रेस अभी भी रद्द रहेंगी। रेलवे का कहना है कि वाल्टेयर डिवीजन में कोत्तावलसा-कोरापुट खंड पर गोरापुर- अरकू शिमिलिगुडा स्टेशनों के बीच दोहरीकरण का काम चल रहा है। इसी के तहत इन स्टेशनों के बीच नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों को किया जाना है। जिसके चलते एक सितंबर तक ट्रेने प्रभावित रहेंगी। रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एके त्रिपाठी ने बताया कि नॉन इंटरलॉकिंग प्रक्रिया के चलते 21, 25, 28 अगस्त और 1 सितंबर को विशाखापत्तनम से प्रस्थान करने वाली (18514) विशाखापत्तनम- किरंदुल रात्रि एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रहने की बात कही थी। वहीं 26 अगस्त और 2 सितंबर को किरंदुल से छूटने वाली ट्रेन संख्या (18513) किरंदुल-विशाखापत्तनम रात्रि एक्सप्रेस रद्द रखने का फैसला लिया था।

अवैध स्पॉस पीवान केप्सूल 6 पैकेट के साथ 2 गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना बोधघाट को मुखबीर से

मिली सूचना पर बोधघाट पुलिस द्वारा जवाहर नगर वार्ड स्थित मेटगुड़ा जगदलपुर रेल्वे स्कूल के पास से आरोपी त्रिलोचन बघेल पिता गोंचाराम बघेल एवं प्रकाश राव उर्फ चारू पिता स्व. ईश्वर राव दोनो निवासी प्रवीर वार्ड पनारापारा के संयुक्त कब्जे से अवैध रूप से रखे नशे के उपयोग की दवा 6 पैकेट स्पॉस पीवान केप्सूल, जिसमें कुल 1440 नग केप्सूल एवं नगदी रकम 120 रूपये तथा एक पुराना एंड्रायड मोबाईल बरामद कर गणना भौतिक सत्यापन कार्यवाही उपरांत गवाहों के समक्ष जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना बोधघाट में अपराध क्रमांक 215/2023 धारा 21 (बी) एनडीपीएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर आज गुरूवार को दोनो आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

जय सतनात स्व सहायता समूह की महिलाओं को मिल रहा अतिरिक्त आय

बेमेतरा। बेमेतरा विकासखंड के गौठान ग्राम आनंदगांव अंतर्गत जय सतनात महिला स्व सहायता समूह ने गोधन न्याय योजना के जरिए वर्मी कम्पोस्ट व सुपर कम्पोस्ट उत्पादन व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अब तक रुपये 4 लाख 19 हजार 493 की आमदनी की। समूह के द्वारा अब तक कुल 1776 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट खाद का उत्पादन एवं 1697 क्विंटल खाद का विक्रय किया जा चुका है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बंजारे ने बताया कि उन्हे जिला प्रशासन द्वारा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं खेती बाड़ी आदि का प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। उन्होने यह भी बताया कि उनकी समूह में 12 महिला सदस्य हैं जो अपनी घरेलू काम-काज निपटाकर गौठान में वर्मी कम्पोस्ट के साथ ही स्थानीय बाजारु मांग अनुसार विभिन्न घरेलू रसोई में उपयोग किए जाने वाले मसाले आदि भी बनाते हैं। इससे समूह की महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी हो जाती है।

यात्री बस का टायर फटने से लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

जगदलपुर। जगदलपुर से ओडिसा के लिए

निकली यात्री बस का बोरीगुमा के पास अचानक से टायर फटने से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी की पूरी बस जलकर राख हो गई। इस घटना में सबसे खास बात यह रही कि बस में सवार सभी यात्रियों भागकर खुद को सुरक्षित करने में कामयाब रहे। घटना के बारे में बताया गया कि गुरुवार की सुबह गुप्ता ट्रैवल्स की बस जगदलपुर से ओडिसा की ओर 45 यात्रियों को लेकर जा रही थी। सुबह करीब 8 बजे के लगभग बोरिगुमा के पास चलती बस का टायर फटने से भयंकर आग लग गई। घटना के तुरंत बाद ही ड्राइवर सहित बस में सवार सभी लोगों ने बस से बाहर निकलकर जान बचाई, घटना की जानकारी लगते ही दमकल कर्मी तत्काल पहुंचे और बस में लगी आग को बुझाई। इस दौरान बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी।

मुख्य न्यायाधीशने भाटापारा-बलौदाबाजार न्यायालय का किया निरीक्षण

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा हाईकोर्ट के मामलों की सुनवाई पश्चात् 23 अगस्त 2023 को औचक निरीक्षण हेतु भाटापारा तथा बलौदाबाजार पहुंचे। सर्वप्रथम उन्होंने भाटापारा व्यवहार न्यायालय का निरीक्षण किया निरीक्षण के समय न्यायिक अधिकारी प्रकरणों की सुनवाई कर रहे थे। न्यायालय परिसर में वाशरूम की व्यवस्था उचित नहीं पायी गयी। वहां पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी द्वारा जानकारी दी गयी कि न्यायालय के नवीन भवन हेतु 6.25 एकड़ भूमि शासन द्वारा आवंटित की जा चुकी है जिस पर 06 नवीन कोर्ट रूम का निर्माण किया जाना है। पूछने पर यह भी बताया गया कि रिवाईस इस्टीमेट पी.डब्ल्यू.डी. विभाग द्वारा नहीं भेजा गया है इस कारण भवन निर्माण में होने वाली प्रक्रिया में

विलंब हो रहा है। निरीक्षण के समय कलेक्टर श्री चंदन कुमार, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के एसएसपी श्री दीपक कुमार झा उपस्थित थे। मुख्य न्यायाधीश ने उक्त संबंध में त्वरित कार्यवाही हेतु कलेक्टर श्री चंदन कुमार को निर्देशित किया जिस पर कलेक्टर श्री चंदन कुमार ने दो दिवस के भीतर रिवाईस इस्टीमेट प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया।

भाटापारा के निरीक्षण उपरांत मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा जिला न्यायालय, बलौदाबाजार के औचक निरीक्षण हेतु पहुंचे। वहां पर साफ सफाई, वाहनों की पार्किंग, अधिवक्ताओं के बैठने की व्यवस्था व पक्षकारों का प्रतीक्षालय की व्यवस्था देखकर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। न्यायालय की अधोसंरचना को न्यायालय की गरिमा के अनुरूप पाया गया। अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश का सम्मान किया। मुख्य न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं से बातचीत की तथा उनसे उनकी समस्याएँ जानी तदुपरांत उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक भी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। औचक निरीक्षण में मुख्य न्यायाधीश के साथ रजिस्ट्रार जनरल श्री अरविन्द कुमार वर्मा तथा एडिशनल रजिस्ट्रार कम पीपीएस श्री एम.बी.एल.एन सुब्रहमन्यम भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश अपने कुछ माहों के कार्यकाल में ही राज्य के अधिकांश जिला न्यायालयों का भौतिक निरीक्षण करते हुए अधोसंरचना व व्यवस्था में सुधार हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये हैं जिसके परिणामस्वरूप कार्य व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन भी दिखाई देना शुरू हो गया है।

पामगढ़ से 53 कांग्रेसियों ने ठोकी दावेदारी, बाहरी लोगों को प्रत्याशी बनाने हो रहा विरोध

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले की पामगढ़ विधानसभा में चुनाव के लिए 22 अगस्त तक 53 कांग्रेसियों ने प्रत्याशी के रूप में अपना आवेदन ब्लॉक अध्यक्ष को सौपा है। जिसमें पुरुष और महिला शामिल है। टिकट पाने के लिए कांग्रेस पार्टी में प्रत्याशियों की लंबी सूची बन गई है। वहीं बाहरी और अंदर के प्रत्याशियों में माहौल गरमाने लगा है। पामगढ़ के मुख्यालय में बाहरी प्रत्याशियों का प्रवेश वर्जित की पोस्ट लगाई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता टिंकू जांगड़े ने बाहरी प्रत्याशियों के प्रवेश वर्जित की पोस्ट लगाया है। जिसके बारे में बताया की पामगढ़ के सभी चौक-चौराहों में यह पोस्टर लगाया है जिसमे बाहरी लोगों को प्रत्याशी नहीं बनाये जाने की मांग की जा रही है। टिंकू जांगड़े ने कहा की बाहरी लोगों को प्रत्याशी बनाए जाने से हमेशा से हार मिल रही है। क्षेत्र की जनता उन्हें कभी भी स्वीकार नहीं की जिसके कारण इस बार कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मंशा को पहले से अवगत कराया जा रहा है। और स्थानीय लोगों को टिकट देने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद भी यदि बाहरी प्रत्याशी मैदान में उतर जाएगा तो हार निश्चित होने की बात कही है बाहरी लोगों को प्रत्याशी नहीं बनाए जाने को लेकर खुल कर विरोध किया जा रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

दिग्विजय को भारत की छवि खराब करने की आदत है

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के इस बयान के एक दिन बाद कि इसरो वैज्ञानिकों को 17 महीने से वेतन नहीं मिला है, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भारत की छवि खराब करने की आदत है। सिंधिया ने कहा कि दिग्विजय सिंह को भारत की छवि खराब करने की आदत है। यह देश बनाने की मानसिकता नहीं है, बल्कि इसे नष्ट करने की मानसिकता है। इसके साथ ही सिंधिया ने कहा कि मैं हमारे वैज्ञानिकों को बधाई देना चाहता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। इससे पहले कांग्रेस नेता के बयान पर पलटवार करते हुए मध्य प्रदेश के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा, दिग्विजय सिंह देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं... हर कोई चंद्रयान-3 और हमारे वैज्ञानिकों पर गर्व कर रहा है, जबकि वह इस पर सवाल उठा रहे हैं।

जदयू ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी से काटा हरिवंश का पत्ता

पटना। बिहार में सत्ता की अगुवाई कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 2024 0के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की 98 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी बनाई है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बीते बुधवार को नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। इस मामले में सबसे दिलचस्प जानकारी यह है कि जदयू की ओर से जारी की गई राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की सूची में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का नाम नदारद है। हरिवंश को छोड़कर संसद के दोनों सदनों में वर्तमान सदस्यों और बिहार की नीतीश कैबिनेट में शामिल पार्टी के सभी मंत्रियों को रखा गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की ओर से जारी सूची में मुख्यमंत्री एवं पार्टी के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार का नाम सबसे ऊपर रखा गया है। ललन के अलावा सूची में अन्य प्रमुख नामों में अनुभवी समाजवादी के सी त्यागी का भी नाम शामिल है।

चंद्रयान की सफलता पर इसरो प्रमुख को सोनिया ने लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ को पत्र लिखकर चंद्रयान 3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए बधाई दी और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एक शानदार उपलब्धि बताया। सोनिया गांधी ने अपने पत्र में लिखा, यह आपको यह बताने के लिए है कि कल शाम इसरो की शानदार उपलब्धि से मैं कितना रोमांचित था। यह सभी भारतीयों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए बहुत गर्व और उत्साह का विषय है। इसरो की उत्कृष्ट क्षमताएं दशकों में विकसित हुई हैं। इसमें उल्लेखनीय नेता रहे हैं और सामूहिक प्रयास की भावना ने इसे हमेशा प्रेरित किया है। उन्होंने आगे लिखा, साठ के दशक की शुरुआत से ही इसे आत्मनिर्भरता पर आधारित किया जा रहा है, जिसने इसकी बड़ी सफलताओं में योगदान दिया है। मैं संपूर्ण इसरो समुदाय को शुभकामनाएं देती हूं।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ चुनाव से पहले केजरीवाल का दांव

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को जगतार सिंह दियालपुरा और रजनीश कुमार दहिया को मध्य प्रदेश का सह-प्रभारी और अमोलक सिंह और अमृतपाल सिंह सुखानंद को छत्तीसगढ़ का सह-प्रभारी नियुक्त किया। यह इस साल के अंत में दोनों राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आया है। माना जा रहा है कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पिछले दिनों दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने पंजाब के समकक्ष भगवंत मान के साथ दोनों ही राज्य का दौरा किया था। दोनों ही राज्यों में उन्होंने भाजपा के साथ-साथ अपने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस पर भी जबरजस्त तरीके से निशाना साधा था। केजरीवाल ने रविवार को मध्य प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये के मासिक भत्ते के अलावा मुफ्त बिजली, इलाज और गुणवत्तापूर्ण स्कूलों के निर्माण सहित विभिन्न 'गारंटियों' का आश्वासन दिया।

कांग्रेस ने त्रिपुरा के कार्यकारी अध्यक्ष को किया निष्कासित

अगरतला। त्रिपुरा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बिलाल मियां को उनके पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद पार्टी से निकाल दिया गया है। अब उनके भाजपा में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी के नेता ने कहा कि मियां के इस्तीफा देने के बाद उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बुधवार को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है। हाल ही मेंसिपाहीजला जिले के सोनामुरा में उनके आवास पर त्रिपुरा के वरिष्ठ नेता रतन लाल नाथ और सुशांत चौधरी की बैठक के बाद निष्कासन का फैसला लिया गया। पार्टी के नेता ने कहा, बिलाल मियां को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित किया गया है। बिलाल मियां ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखते हुए कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पिछले 44 सालों से मेरा घर रहा है और मैंने अपने कार्याकाल के दौरान विभिन्न पदों पर पार्टी की सेवा की है। वर्तमान में मैं टीपीसीसी का कार्यकारी अध्यक्ष हूं। तत्काल प्रभाव से मैं कांग्रेस पार्टी के प्रथमिक सदस्यता के साथ सभी पदों से इस्तीफा देता हूं।

पीएम मोदी ने जी-20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया

भारत लालफीताशाही से लालकालीन की ओर बढ़ गया है : प्रधानमंत्री

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है और भारत को अवसरों तथा खुलेपन का संयोजन माना जा रहा है। जी-20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया और उसने प्रतिस्पर्धा का माहौल तथा पारदर्शिता बढ़ाई है।

उन्होंने कहा, '' आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर आशावाद तथा विश्वास देखते हैं। भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जाता है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण का विस्तार किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है। हम लाल फीताशाही से लालकालीन की ओर बढ़े हैं। एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के प्रवाह को उदार बनाया है।

अपने संबोधन के दौरान मोदी ने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों को छुआ है, जिन्होंने विनिर्माण को बढ़ावा दिया है और देश में नीतिगत स्थिरता का भी उल्लेख किया है और रेखांकित किया है कि सरकार अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने 2014 में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री ने भी जयपुर में गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि यह क्षेत्र अपने गतिशील और उद्यमशील लोगों के लिए जाना जाता है। मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली और जी20 के सदस्यों के रूप में यह देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा, '' हमें मजबूत और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं बनानी चाहिए जो भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। इस संदर्भ में, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मानचित्रण के लिए एक सामान्य ढांचा बनाने का भारत का

प्रस्ताव महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने ई-वाणिज्य की वृद्धि पर कहा कि बड़े और छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है। मोदी ने कहा, '' हमें उचित मूल्य खोज तथा शिकायत निवारण तंत्र में उपभोक्ताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्या का भी समाधान तलाशने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि उनसे 60 से 70 प्रतिशत रोजगार का सृजन होता है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वे 50 प्रतिशत योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, '' उन्हें (एमएसएमई) हमारे निरंतर समर्थन की जरूरत है। हमारे लिए एमएसएमई का मतलब सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों को अधिकतम समर्थन है।'' उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 'जयपुर इनीशिएटिव टू फोस्टर सीमलेस फ्लो ऑफ इंफॉर्मेशन टू एमएसएमई' इस क्षेत्र के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं का समाधान तलाशेगी। मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करेंगे कि वैश्विक व्यापार प्रणाली धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और समावेशी भविष्य में परिवर्तित हो जाए।''

उन्होंने रेखांकित किया कि व्यापार ने विचारों, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है, साथ ही पूरे इतिहास में लोगों को करीब लाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, व्यापार और वैश्वीकरण ने भी करोड़ों लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है।

महामारी से लेकर भू-राजनीतिक तनाव तक मौजूदा वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, मोदी ने कहा कि इसने विश्व अर्थव्यवस्था का परीक्षण किया है और कहा कि जी20 देशों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। उन्होंने कहा, व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए उच्च स्तरीय सिद्धांत देशों को सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार उपायों को लागू करने और अनुपालन बोझ को कम करने में मदद कर सकते हैं। मोदी ने भारत के ऑनलाइन एकल अप्रत्यक्ष कर, जीएसटी में बदलाव का उदाहरण भी दिया, जिसने अंतर-राज्य व्यापार को बढ़ावा देने वाले एकल आंतरिक बाजार बनाने में मदद की। पीएम मोदी ने कहा, व्यापार में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति निर्विवाद है। हम भुगतान प्रणालियों के लिए अपने एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस के साथ पहले ही ऐसा कर चुके हैं।

द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक दोगुना करना लक्ष्य : केमी बैडेनॉख

ब्रिटेन की वाणिज्य व व्यापार मंत्री केमी बैडेनॉख ने 2030 तक भारत के साथ व्यापार दोगुना करने में मदद के लिए गुरुवार को एक नया अलाइव विद अपॉर्च्युनिटी अभियान शुरू किया। जयपुर में जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर भारत आईं ब्रिटिश कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पहले से जारी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता अब बारहवें दौर की बातचीत में आगे बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, नए जीबीपी 1.5 मिलियन ग्रेट मार्केटिंग ब्लिट्ज का उद्देश्य फुटबॉल और क्रिकेट से लेकर भोजन और फिल्म तक साझा सांस्कृतिक हितों को उजागर करने के लिए मजबूत द्विपक्षीय व्यापार और व्यापार लिंक से परे जाना है।

मुंबई बैठक में लॉन्च किया जा सकता है इंडिया गठबंधन का 'लोगो'

5 मुख्यमंत्री और 80 विपक्षी नेता होंगे शामिल

नईदिल्ली। संयुक्त विपक्षी गठबंधन का लोगो (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन, या इंडिया) 30 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में होने वाली अगली बैठक में जारी किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि विपक्षी गुट के लोगो का डिज़ाइन संक्षिप्त नाम की तर्ज पर आधारित होगा। गठबंधन समन्वय समिति के 11 सदस्यों के नामों पर भी फैसला करेगा जो ब्लॉक के कामकाज की देखरेख के लिए बनाई जाएगी। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस बैठक में समिति समन्वयक/संयोजक का चयन किया जाएगा या नहीं। यह इंडिया ब्लॉक की तीसरी बैठक होगी, पिछली दो बैठकें पटना और बेंगलुरु में हुई थीं।

80 नेताओं के शामिल होने की उम्मीद

बेंगलुरु बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संयुक्त विपक्षी गठबंधन के कामकाज में समन्वय के लिए 11 सदस्यीय पैनल का गठन किया जाएगा और सदस्यों के नामों की घोषणा मुंबई बैठक में की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल के नेताओं ने राष्ट्र की खातिर अपने राज्य-स्तरीय मतभेदों को पीछे छोड़ने का फैसला किया है। मुम्बई में होने वाली बैठक में देश के 5 मुख्यमंत्रियों के साथ 26 राजनीतिक दलों के 80 नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने अगले सप्ताह मुंबई में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की होने वाली बैठक की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को यहां महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के नेताओं की बैठक में हिस्सा लिया।

भाजपा के खिलाफ हुआ है गठन

मुंबई के एक होटल में हुई इस समीक्षा बैठक में कांग्रेस के मिलिंद देवड़ा एवं वर्षा गायकवाड़, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत और आदित्य ठाकरे और राकांपा की सुप्रिया सुले ने भी हिस्सा

लिया। 'इंडिया' गठबंधन की पहली बैठक जून में पटना में और दूसरी बैठक पिछले महीने बेंगलुरु में हुई थी। विपक्षी दलों ने 2024 के लोकसभा चुनाव मेंभाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को चुनौती देने के लिएइंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)का गठन किया है।विपक्षी दलों के इस मोर्चे में 26 दल शामिल हैं।

एनसीपी में नहीं हुई कोई टूटः सुप्रिया सुले

मुंबई। एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने एनसीपी पार्टी में फूट, कार्यकर्ताओं में असमंजस, पार्टी में अजित पवार की स्थिति, चोरडिया के घर पर बैठक जैसे कई मुद्दों पर टिप्पणी की। क्या यह सच है कि पार्टी में फूट पड़ गई है? उनसे ऐसा सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एनसीपी में कोई विभाजन नहीं है। इसके अध्यक्ष शरद पवार हैं और राज्य के अध्यक्ष जयंत पाटिल हैं। उन्होंने कहा, हम इन दोनों के नेतृत्व में काम करते हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बस हमारी पार्टी के कुछ नेताओं ने अलग स्टैंड लिया है। उन्होंने अजित पवार को पार्टी का सीनियर नेता भी बताया। आपको बता दें कि अजित पवार ने 2 जुलाई को अपने चाचा शरद पवार के साथ बगावत कर दी थी और महाराष्ट्र की शिंदे-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे।

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप में 6 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नईदिल्ली। एशिया कप 2023 की शुरुआत 30 अगस्त से है। 17 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा। 6 टीम एक-दूसरे को टक्कर देगी। भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल की टीम में जंग देखने को मिलेगी। एशिया की बादशाहत में कौन बाजी मारता है।

एशिया कप हर दो साल में आयोजित होने वाला एक लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट है। इसका आयोजन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा किया जाता है। टूर्नामेंट का सबसे हालिया संस्करण 16वां पाकिस्तान और श्रीलंका में हो रहा है। एशिया कप 2022 में छह टीमों ने भाग लिया और श्रीलंका चैंपियन बनकर उभरा। पहला एशिया कप 1984 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया गया था, जिसमें भारत ने खिताब जीता था और श्रीलंका उपविजेता रहा था। पहला मैच 30 अगस्त 2023 को मुल्तान, पाकिस्तान में पाकिस्तान और नेपाल के बीच खेला जाएगा और अंतिम मैच 17 सितंबर 2023 को खेला जाएगा।

सर्वाधिक एशिया कप विजेता: टीम इंडिया ने 15 संस्करणों में सबसे अधिक बार यानी 7 बार एशिया कप जीता। श्रीलंका ने 6 बार और पाकिस्तान ने 2 बार एशिया कप जीता। शेष तीन देश बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल ने अभी तक एशिया कप विजेताओं की सूची में अपना खाता नहीं खोला है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर/तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पेटल/कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 180 अंक फिसलकर बंद

नईदिल्ली। इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गई जिससे सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 180.96 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,252.34 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 65,913.77 के उच्चतम और 65,181.94 के निचले स्तर तक गया था। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी भी 57.30 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,386.70 पर बंद हुआ। निफ्टी के 35 शेयरों में गिरावट आई जबकि 15 हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर सबसे ज्यादा 4.99 प्रतिशत गिरा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, टाटा स्टील, विप्रो और एचडीएफसी के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए।

विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया का आईपीओ खुला

नईदिल्ली। विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया का 308.88 करोड़ रुपये का आईपीओ गुरुवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। कंपनी अपने शेयरों को 94-99 रुपये की रेंज में बेचना चाहती है, जिसमें 150 इक्विटी शेयरों का लॉट साइज और उसके बाद कई गुना होगा। विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया एक कंस्ट्रक्शन कंपनी है जो मुख्य रूप से केंद्र और राज्य सरकारों के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगी हुई है। कंपनी जल आपूर्ति परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है और विभिन्न सरकारी पहलों से लाभान्वित हो रही है। कंपनी के पास 15 जुलाई, 2023 तक 51 चल रही परियोजनाएं थीं, जिनमें कुल 6,183 करोड़ रुपये का काम दिया गया था और इसमें 2,384 करोड़ रुपये का काम पूरा हो चुका है। साथ ही 3,799 करोड़ रुपये का शेष कार्य ऑर्डर बुक में है।

कोफोर्ज ने अपना एआई मंच 'कोफोर्ज क्वासर' लॉन्च किया

नईदिल्ली। आईटी कंपनी कोफोर्ज ने उद्यम में एआई क्षमताओं के निर्माण के लिए एक जेन एआई मंच 'कोफोर्ज क्वासर' पेश किया। गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'कोफोर्ज क्वासर' पर 100 से अधिक एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफसे) सेट पहले से उपलब्ध हैं। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) अपनी संज्ञानात्मक और उत्पादक क्षमताओं के साथ, ग्राहक सेवा, संचालन, अनुसंधान, बिक्री तथा विपणन, वित्त और मानव संसाधन सहित किसी संगठन के हर हिस्से में क्रांति लाने की क्षमता रखता है।

सुजलॉन ग्रुप को विंड पावर प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट मिला

नईदिल्ली। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को इंटीग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर से 31.5 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। हालांकि, कंपनी ने सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'सुजलॉन समूह इंटीग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड से 31.5 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिलने की आज घोषणा करता है।' इस परियोजना के मई 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। सुजलॉन ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे. पी. चालासानी ने कहा , '' हमें इंटीग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर से दूसरा ठेका मिलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस परियोजना से उत्पन्न बिजली का उपयोग 'कैप्टिव' खपत के लिए किया जाएगा, जिससे भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की गहरी पैठ बनेगी।''

भारत में शुरू हुआ अंतरिक्ष विज्ञान का नया युग

चंद्रभूषण

असाधारण दबावों और चुनौतियों का सामना करते हुए इसरो ने चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को चंद्रमा की 70 डिग्री दक्षिणी अक्षांश रेखा के पास बिल्कुल सटीक तरीके से उतार दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान के प्रायोगिक इतिहास में इस तरह की उपलब्धि पहली बार हासिल की गई है। पृथ्वी के दूसरी तरफ पड़ने वाली चंद्रमा की अदृश्य सतह पर लंबे समय तक अपना रोवर यूटू-2 चलाने का गौरव चीन ने भी हासिल किया है, लेकिन इस काम के लिए उसने चंद्रमा की भूमध्यरेखा का नजदीकी इलाका ही चुना था। लेकिन खनिजों की दृष्टि से समृद्ध समझा जाने वाला चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुवीय इलाका इतना ऊबड़-खाबड़ है, और पृथ्वी से पल-पल का संवाद बनाए रखना वहां इतना कठिन है कि वैज्ञानिक इसे अजेंडा पर ही लाने से बचते रहे हैं।

इसरो के लिए एक और दबाव ऐन मौके पर पेश हो गया था। चार साल पहले चंद्रयान-2 के मंजिल पर पहुंचने से सिर्फ तीन मिनट पहले उसके साथ संवाद टूट गया था। ऊपर से रूस ने बिना किसी सूचना के 11 अगस्त को अपना यान छोड़ा और 15-16 अगस्त को उसे चंद्रमा की कक्षा में स्थापित भी कर दिया। इसके साथ ही रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस से इसरो की तुलना शुरू हो गई कि एक वे हैं जो पांच दिन में पाला छू लेते हैं और एक हम हैं कि यही काम 35 दिन में करते हैं।

ऊपर से तुर्रा यह कि रूसियों ने चंद्रयान से दो दिन पहले 21 अगस्त को ही अपना लूना-25 चंद्रमा उतारने की घोषणा कर रखी थी, वह भी विक्रम लैंडर से जरा और दक्षिण में। यानी भारत को चंद्रमा पर यान उतारना है तो उतार ले, लेकिन पहला उपग्रह छोड़ने,

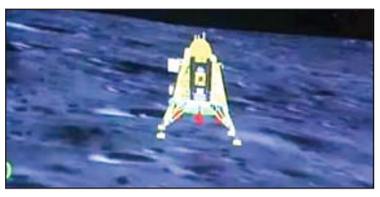

पहली बार इंसान को अंतरिक्ष में भेजने और चंद्रमा पर पहली बार गाड़ी दौड़ाने की तरह सबसे दक्षिण में और सबसे पहले अपना यान चंद्रमा पर उतारने का रेकॉर्ड तो रूस ही बनाएगा!

बहरहाल, इसरो का काम कितना पक्का था, इसका अंदाजा लगाने के लिए चंद्रयान-3 की उतराई का लाइव ग्राफ देखना देश-दुनिया के लिए काफी रहा होगा। यह हर बिंदु पर ठीक वैसा ही रहा, जैसा इसके होने की उम्मीद थी। साइंस-टेक्नॉलजी के मामले में रूस की गति भारत से एक सदी आगे समझी जाती है। इसके बावजूद लूना-25 को पार्किंग ऑर्बिट से लैंडिंग ऑर्बिट में लाने वाले थ्रस्टर्स ने ऑटोमेटिक कमांड समझने में चूक कर दी और वह अस्थिर कक्षा में पहुंचकर नष्ट हो गया। लेकिन चंद्रयान-3 के एक-एक थ्रस्टर ने कमांड के मुताबिक काम किया। यकीनन इसमें बहुत बड़ी भूमिका चंद्रयान-2 से हासिल किए गए तजुर्बे की रही।

इस अभियान की अगली चुनौती लैंडिंग के चार-पांच घंटे गुजर जाने पर प्रज्ञान रोवर को चंद्र सतह पर चलाने और चौदह दिनों के एक चंद्र-दिन में लैंडर और रोवर के लिए निर्धारित सारे प्रयोग पूरे करने की है। जाहिर है, ये प्रयोग सिर्फ भारत के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए मायने रखते हैं। इनमें एक का संबंध चंद्रमा के वायुमंडल के बारे में जानकारियां जुटाने का है। जी हां, जहां हवा के नाम पर कुछ भी नहीं है, उस चंद्रमा का वायुमंडल! वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 127 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने वाला चंद्र-सतह का तापमान वहां कुछ इंच या फुट की ऊंचाई तक आवेशित कणों और वाष्पित हो सकने वाले पदार्थों का बहुत हल्का गैसीय घोल तैयार करता होगा। ऐसे पदार्थ भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में भले नगण्य हों लेकिन विक्रम की लैंडिंग साइट पर ये हो सकते हैं।

एक महत्वपूर्ण प्रयोग यह भी होना है कि चंद्रमा की सतह कैसे गरम होती है, सूरज से आने वाला रेडिएशन कितनी गहराई तक प्रवेश करता है और इंसानी रिहाइश के लिए जमीन खोदकर या किसी और तरीके से न्यूनतम कितनी आड़ वहां जरूरी होगी। एक बड़ा प्रयोग भूकंपों के मामले में किया जाना है। चंद्रमा को भूगर्भीय रूप से मृत, 'जियोलॉजिकली डेड' बताने का चलन पुराना है लेकिन ऑर्बिटर उपग्रहों को वहां भूकंप जैसे कुछ संकेत भी मिले हैं। भारतीय भूकंपमापी वहां जो प्रेक्षण लेंगे, उनसे चंद्रमा की टेक्टॉनिक हलचलों का पता चलेगा।

ब्रिक्स में भारत की बढ़ती रणनीतिक भूमिका

डॉ राजन कुमार

ब्रिक्स, ग्लोबल साउथ कहलाने वाले विकासशील और अल्प विकसित देशों का सबसे विश्वसनीय संगठन बन गया है। वैश्विक शासन व्यवस्था में एक अपरिहार्य संगठन बन चुके ब्रिक्स की तुलना विकसित देशों के संगठन जी-7 से की जा सकती है। विशेष रूप से तीन पहलुओं ने ब्रिक्स की विश्वसनीयता को बढ़ाया है- आर्थिक गतिशीलता, क्रमिक एकजुटता, और पश्चिमी दबावों का विरोध। आर्थिक गतिशीलता के मुद्दे पर देखा जाए, तो ग्लोबल जीडीपी में 26 फीसदी हिस्सेदारी के साथ ब्रिक्स जी-7 अर्थव्यवस्था को टक्कर दे रहा है। वर्ष 2022 में ब्रिक्स की साझा जीडीपी 26 ट्रिलियन डॉलर थी जो अमेरिकी जीडीपी से थोड़ी बड़ी थी। वर्ष 2000 में वैश्विक जीडीपी में जी-7 का योगदान 65 प्रतिशत था जो 2021 में घटकर 44 प्रतिशत रह गया। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो वर्ष 2030 तक ब्रिक्स की अर्थव्यवस्था जी-7 से आगे निकल जायेगी। एकजुटता के प्रश्न पर देखा जाए, तो इससे पहले ग्लोबल साउथ बिना पश्चिम के समर्थन के शायद ही कभी सफल संस्थान बना पाया। शीत युद्ध काल का गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम) या जी-77 चर्चा की दुकान बन कर रह गये। इसके विपरीत, ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक न्यू डेवलपमेंट बैंक और आकस्मिक रिजर्व फंड जैसी संस्थाएं बनायी हैं, जो विश्व बैंक और आइएमएफ के प्रतिबिंब समझे जाते हैं। ये संस्थान स्वायत्त हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध पर ब्रिक्स के रुख ने इसकी विश्वसनीयता और बढ़ा दी है। ब्रिक्स सदस्यों ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से इनकार कर दिया, और पश्चिम के लगाये गये प्रतिबंधों में शामिल नहीं हुआ। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस का चीन और भारत के साथ व्यापार बहुत बढ़ गया। रूस के साथ भारत का व्यापार पहले के 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में लगभग 50 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ब्रिक्स की विश्वसनीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 40 से अधिक देशों ने इसके साथ जुड़ने में रुचि दिखायी है। जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में चर्चा के महत्वपूर्ण मुद्दों में से नये सदस्यों के लिए सिद्धांत और मानक प्रोटोकॉल स्थापित करना शामिल है। सिद्धांत तौर पर सभी ब्रिक्स देश विस्तार पर सहमत हैं, लेकिन इसके तौर-तरीकों पर सहमति नहीं बन पा रही है। चीन ब्रिक्स के तेजी से विस्तार का पक्षधर है, वह अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए ब्रिक्स का उपयोग करता है। रूस भी ब्रिक्स के जरिये अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला करना चाहता है, लेकिन वह संगठन में चीन के प्रभुत्व को लेकर आशंकित रहता है। भारत और ब्राजील धीरे-धीरे नये उम्मीदवारों को शामिल करने के पक्ष में हैं, लेकिन वे उन्हें पहले पर्यवेक्षक का दर्जा देना पसंद करेंगे। ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका को डर है कि यदि प्रतिद्वंद्वी क्षेत्रीय शक्तियों को शामिल किया गया तो वे अपने विशेषाधिकार खो देंगे। भारत, पाकिस्तान के प्रवेश का समर्थन नहीं करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया को शामिल करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं है। भारत और ब्राजील, चीन के उत्साह को भी साझा नहीं करते और वे ब्रिक्स को पश्चिम विरोधी संगठन के रूप में नहीं देखते हैं। जोहानिसबर्ग सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण मुद्दा व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भरता को कम करने और ब्रिक्स देशों की मुद्रा को बढ़ावा देने का है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का उपयोग लगभग 84 प्रतिशत होता है। युद्ध की परिस्थितियों में डॉलर को हथियार की तरह उपयोग किये जाने के पश्चिम के रवैये ने ग्लोबल साउथ के देशों को चिंतित कर दिया है। पश्चिम ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की आरक्षित मुद्रा और संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। हालांकि, ब्रिक्स की अपनी मुद्रा विकसित करने पर कोई सहमति नहीं है। वहीं कई देशों को डर है कि चीनी मुद्रा युआन ब्रिक्स पर हावी न हो जाए। इसलिए, ब्रिक्स सदस्य स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। रूस और चीन के बीच लगभग 80 प्रतिशत व्यापार समझौता चीनी युआन और रूसी रूबल में होता है। भारत और रूस ने भी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करना शुरू कर दिया है।

सरकार और राष्ट्र के विरोध का अंतर

ललित गर्ग

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने के इरादे से लद्दाख में चारागाह भूमि पर चीनी सेना का कब्जा होने का दावा किया है, निश्चित ही इस तरह के बयान न केवल सेना के मनोबल को कमजोर करते हैं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करते हैं। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोलें, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान सशक्त नेता बनेंगे?

राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान है, उससे यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बेतुके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। यह भूला नहीं जा सकता कि डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल

ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था?

राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिब्बत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में 'हिन्दी चीनी भाई-भाई' का नारा जप कर भारत माता की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि जब रक्षा और विदेश नीति के मामलों में राजनीतिक वर्ग एक सुर में नहीं बोलता तो इससे राष्ट्रीय हितों को चोट ही पहुंचती है, इससे राष्ट्र कमजोर होता है। चीन एवं पाकिस्तान जैसे दुश्मन राष्ट्र इसी से ऊर्जा पाकर अधिक हमलावर बनते हैं।

देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें देशी-विदेशी मंच पर पेश कीं, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानपरक सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार को कमजोर बता कर और मोदी जैसे कद्दावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं।

लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। राहुल गांधी इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें शासन संचालन, राजनीतिक परिपक्वता के तौर-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। उनकी तरह सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कोई जिम्मेदारी लिए बिना पर्दे के पीछे से सब कुछ करने में ही यकीन रखती हैं। कांग्रेस की मजबूरी यह है कि वह गांधी परिवार के बिना चल नहीं सकती। कांग्रेस नेताओं की भी यह विवशता है कि अपने नेता के बयानों को सही एवं जायज ठहराने में सारी हदें लांघ जाते हैं। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या दुश्मन राष्ट्र से जुड़ी स्थितियों पर बोलते हुए वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे प्रभाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हों, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हों, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हों, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बनें भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्खियों को तो घाव ही अच्छा लगेगा। इसी प्रकार राहुल एवं कांग्रेस को तो अच्छाइयों में भी बुराई का ही दर्शन होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

द्वितीय चरण का अन्तिम पद मुखम् है तृतीय चरण का अन्तिम पद भद्रं है और चतुर्थ चरण का अन्तिम पद म्यहं है। इस प्रकार इस साम को जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। उपर्युक्त उपासनादि तत्त्वों को प्रजापति ब्रह्माजी ने ही जाना है।

मंत्रराज आनुष्टुभ सबकी आत्मा रूप में है एवं ब्रह्म में ही उसकी स्थिति है। इस प्रकार जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। इस लोक में सुख समृद्धि चाहने वाले श्रेष्ठाचारी साधक को भगवान् नृसिंह समस्त प्रकार के ऐश्वर्य प्रदान करते हैं। वह साधक चाहे जहाँ देह त्याग करे, भगवान् नृसिंह वहीं पर उसे परब्रह्ममय तारक मंत्र का बोध कराते हैं। मंत्र बोध के बाद वह अमृतस्वरूप को प्राप्त कर मोक्ष को प्राप्त कर लेता है।

अत: तारक मंत्र रूपी साम का जप सदैव करना चाहिए; क्योंकि साम मंत्र के भीतर प्रजापति ब्रह्मा की ही शक्ति है। इस प्रकार जानने वाला ही वास्तविक साधक है। महान् परमेश्वर के तत्त्व का यथार्थ ज्ञान होने के कारण इसे महोपनिषद् कहते हैं। इसके अन्तर्गत बताये मार्ग के द्वारा जो पुरश्चरण साधना करता है, उसे पूर्ण पुरश्चरण का लाभ प्राप्त होता है और वह महाविष्णु रूप हो जाता है।

प्राचीन काल में एक बार सभी देवता संसार, पाप और मृत्यु से भयभीत होकर भागकर प्रजापति ब्रह्माजी के पास गये। प्रजापति ब्रह्माजी ने देवों को भगवान् नृसिंह के मंत्रराज आनुष्टुभ मंत्र का उपदेश किया। इसकी साधना करके उन्होंने मृत्यु को जीता तथा समस्त पापों से छूटकर संसार सागर को पार कर लिया। इसलिए मृत्यु, पाप एवं भवसागर से डरने वाले को मंत्रराज आनुष्टुभ की शरण में जाना चाहिए। जो व्यक्ति मंत्रराज की शरण में जाता है, वह मृत्यु को जीतकर, पापों का शमन कर संसार सागर से पार हो जाता है। यह जो प्रणव मंत्रराज का अंगभूत है, उसकी प्रथम मात्रा अ कार है, उसका लोक पृथ्वी एवं ऋचाओं से सुशोभित ऋग्वेद ही वेद, ब्रह्मा देवता, अष्टवसु ही गण, छन्द गायत्री तथा गार्हपत्य अग्नि है। प्रणव की पहली मात्रा में ही यह सब निहित है। यह प्रथम मात्रा ही साम का प्रथम चरण है। उ प्रणव की द्वितीय मात्रा है।

इस द्वितीय मात्रा का लोक अंतरिक्ष, विष्णुदेवता और एकादश रुद्र ही गण, यजुर्मन्त्रों सहित यजुर्वेद इसका वेद, त्रिष्टुप् छन्द और अग्नि दक्षिणाग्नि है। मन्त्रराज साम का यह द्वितीय पाद है। मंत्रराज साम के अंगभूत प्रणव की तीसरी मात्रा म कार है। इसका लोक द्यु लोक है, वेद सामवेद, रुद्र देवता और द्वादश आदित्य ही गण, छन्द जगती तथा अग्नि आहवनीय है। तृतीय मात्रा के अंतर्गत यह सब है। साम का तृतीय पाद यह तृतीय मात्रा ही है।

क्रमश:...

हरिभाऊ उपाध्याय

हरिभाऊ उपाध्याय भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा राष्ट्रसेवी थे। उनकी हिन्दी साहित्य को विशेष देन उनके द्वारा बहुमूल्य पुस्तकों का रूपांतरण है। कई मौलिक रचनाओं के अतिरिक्त उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की मेरी कहानी और पट्टाभि सीतारमैया द्वारा लिखित कांग्रेस का इतिहास का हिन्दी में अनुवाद किया। हरिभाऊ की अनेक पुस्तकें आज हिन्दी साहित्य जगत को प्राप्त हो चुकी हैं। महात्मा गाँधी से प्रभावित होकर हरिभाऊ उपाध्याय राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े थे। पुरानी अजमेर रियासत में उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वे अजमेर के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए थे।

हरिभाऊ उपाध्याय का विद्यार्थी जीवन से ही रुझान साहित्य के प्रति हो गया था। हिंदी, संस्कृत और अंग्रेज़ी साहित्य के अध्ययन के बाद वे लेखन की ओर अग्रसर हुए। हरिभाऊ उपाध्याय ने सबसे पहले 'औदुम्बर' मासिक पत्र के प्रकाशन द्वारा हिन्दी पत्रकारिता जगत में पर्दापण किया। वर्ष 1911 में वे 'औदुम्बर' के सम्पादक बने।

हरिभाऊ उपाध्याय 1915 में महावीर प्रसाद द्विवेदी के सान्निध्य में आये। हरिभाऊ खुद लिखते

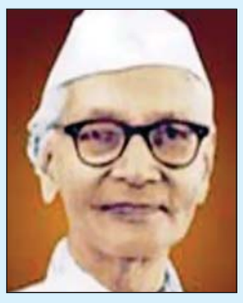

हैं कि- औदुम्बर की सेवाओं ने मुझे आचार्य द्विवेदी जी की सेवा में पहुंचाया। द्विवेदी जी के साथ 'सरस्वती' में कार्य करने के बाद हरिभाऊ उपाध्याय ने 'प्रताप' और 'प्रभा' के सम्पादन में योगदान दिया।

महात्मा गाँधी के सानिध्य की चाह उन्हें अहमदाबाद ले आई। गांधी जी के निजी सचिव के रूप में उन्होंने 1923 में उनके साथ भारत यात्रा की। फिर वे अजमेर आ गए और वहां 'सस्ता साहित्य मंडल' नामक प्रकाशन संस्था की स्थापना की, जो आज भी दिल्ली में कार्यरत है। इस संस्था के पत्र 'जीवन साहित्य' के भी वे संपादक रहे। उन्होंने 'त्याग भूमि' नामक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ किया और ' गांधी सेवा संघ' नामक संस्था बनाई।

हरिभाऊ सिद्धांतों के साथ कोई समझौता नहीं करते थे। जब रियासतों को मिलाकर राजस्थान राज्य बना तब मोहनलाल सुखाड़िया मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने हरिभाऊ उपाध्याय को पहले वित्त फिर शिक्षामंत्री बनाया था। लम्बे समय तक वे इस पद पर रहे, लेकिन स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण त्यागपत्र दे दिया।

हरिभाऊ उपाध्याय की हिन्दी साहित्य को विशेष देन उनके द्वारा बहुमूल्य पुस्तकों का रूपांतरण है। कई मौलिक रचनाओं के अलावा उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की 'मेरी कहानी' और पट्टाभि सीतारमैया द्वारा लिखित 'कांग्रेस का इतिहास' का हिन्दी में अनुवाद किया। हरिभाऊ उपाध्याय की अनेक पुस्तकें 'बापू के आश्रम में' 'स्वतंत्रता की ओर' 'सर्वोदय की बुनियाद' 'श्रेयार्थी जमनालाल जी' 'साधना के पथ पर' 'भागवत धर्म' 'मनन' 'विश्व की विभूतियाँ' 'पुण्य स्मरण' प्रियदर्शी अशोक' 'हिंसा का मुकाबला कैसे करें' 'दूर्वादल' (कविता संग्रह) 'स्वामी जी का बलिदान' 'हमारा कर्तव्य और युगधर्म' अदि आज हिन्दी साहित्य जगत की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं। साहित्य पत्रकारिता और राजनीति की इस विलक्षण शख्सियत का 25 अगस्त, 1972 को देहांत हुआ।

पाकिस्तान में सदर ए रियासत की सियासत

बिक्रम उपाध्याय

पाकिस्तान में हाल ही में दो नये कानून पास हुए और उन कानूनों के तहत तुरंत कार्रवाइयां भी शुरू हो गई। इन्हीं कानूनों के तहत पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और पीटीआई के पूर्व सेक्रेट्री जनरल असद उमर गिरफ्तार करके जेल भी भेज दिए गए। अब अचानक पाकिस्तान के सदर आरिफ अल्वी यह कह रहे हैं कि उन्होंने तो उन कानूनों पर साइन ही नहीं किया है तो फिर उस कानून के तहत कार्रवाई कैसे हो सकती है? सदर अल्वी के इस कथित खुलासे से पाकिस्तान में राजनीतिक भूचाल तो आया ही है, साथ ही सदर (राष्ट्रपति) के चरित्र पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

सदर आरिफ अल्वी ने 20 अगस्त को ट्वीटर को इंटरव्यू देते हुए यह कहा कि उनका खुदा गवाह है कि उन्होंने आफिशियल सीक्रेट एक्ट और पाकिस्तान आर्मी एक्ट पर दस्तखत नहीं किए हैं, बल्कि उन्होंने तो दोनों विधेयकों को सरकार को वापस लौटा देने के लिए अपने मातहत अधिकारियों को कहा था, क्योंकि वह कुछ प्रावधानों से सहमत नहीं थे। पर उनके मातहत अधिकारियों ने उनके साथ धोखा किया और विधेयकों को वापस नहीं किया और वे कानून बन गए।

पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत पार्लियामेंट से पास किए गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की संस्तुति लेने के लिए 10 दिन का समय किया गया है। इस अवधि में या तो राष्ट्रपति अपनी सहमति देकर कानून बनाने की इजाजत दे देते हैं या फिर अपनी असहमति दर्ज कराकर विधेयक को वापस सरकार के पास भेज देते हैं। यदि 10 दिन के बाद भी कोई संदेश राष्ट्रपति भवन से नहीं आता तो वह

विधेयक पास मान लिया जाता है और कानून बन जाता है। पर इस मामले में तो सदर अल्वी ने हद ही कर दी।

उन्होंने अपने हस्ताक्षर से विधेयक बन जाने की मीडिया में आई खबरों पर 24 घंटे तक कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दी। पीटीआई से संबद्ध दो वरिष्ठ नेताओं की आफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत गिरफ्तारी हो गई, फिर भी वह चुप रहे और फिर उन्होंने दो दिन बाद ट्वीटर के जरिए दावा किया कि उनका जाली हस्ताक्षर किया गया और विधेयक पर उनकी आपत्ति नहीं भेजी गई। पीटीआई से संबद्ध दोनों नेता कथित अमेरिकी साइफर का उपयोग राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किए जाने के आरोप में जेल में हैं।

सदर के स्पष्टीकरण के बाद बवाल मचना तय था। आनन फानन में निगरा हुकूमत में कानून मंत्री मोहम्मद इरफान असलम और सूचना एवं प्रसारण मंत्री मुर्तजा सोलंगी ने एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करके दावा किया कि 10 दिन की मियाद के अंदर राष्ट्रपति भवन से दोनों में किसी विधेयक पर कोई लिखित सुझाव या संशोधन का प्रस्ताव नहीं आया, इसलिए संविधान के प्रावधान के अनुसार दोनों विधेयक कानून बन गए। अब इसमें किसी प्रकार के विवाद की कोई संभावना नहीं है। हालांकि निगरा हुकूमत ने इस संबंध में राष्ट्रपति के खिलाफ कोई प्रतिकूल प्रक्रिया अपनाने की बात नहीं की, परंतु पाकिस्तान के कानूनदानों ने अल्वी की ऐसी की तैसी कर दी।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष यासीन आजाद ने कहा कि यह कल्पना के परे है कि ऐसे गंभीर मामले में सदर अल्वी इतनी गैर जिम्मेदारी दिखाएंगे और सोशल मीडिया के जरिए इस बात को जाहिर करेंगे। उनसे यह उम्मीद है कि इस मामले में वह कोई जांच बिठाएंगे और कथित धोखाधड़ी को उजागर करेंगे। वह आखिर इतने समय तक चुप कैसे रहे, जबकि मीडिया में पिछले शनिवार से ही दोनों विधेयकों पर उनकी मंजूरी की खबर चल रही है। आजाद ने यहां तक कहा कि सदर अल्वी ने सोच समझ कर यह विवाद उत्पन्न किया है, उन्हें अब फौरन अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

वैसे सदर आरिफ अल्वी अक्सर अपनी पार्टी पीटीआई के प्यार में राष्ट्रपति पद की गरिमा कम करते रहे हैं। उनके विवादित बयान और कारनामों की एक लंबी लिस्ट है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ व उनके भाई शहबाज शरीफ खुलेआम सदर अल्वी को पीटीआई चेयरमैन इमरान खान का पिट्ठू कहते हैं। सदर अल्वी ने कई बार ऐसा करके दिखाया भी है। अप्रैल 2022 में जब इमरान खान की सरकार गिर गई और पीडीएम गठबंधन से शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री के लिए चुना गया तो अल्वी ने तबीयत खराब का बहाना बनाकर शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाने से मना कर दिया। यह सदर अल्वी ही थे, जिन्होंने इमरान खान की तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल बाजवा के साथ सुलह कराने के लिए राष्ट्रपति भवन में गुप्त बैठकें करवाई। वह अंतिम समय तक इमरान सरकार को बचाने में लगे रहे।

इमरान खान ने पाकिस्तान में जल्दी चुनाव कराने के उद्देश्य से पंजाब और खैबर पख्तुनवा की असेम्बली जनवरी 2023 में भंग करवा कर एक तरहीक चला दी। पाकिस्तान के संविधान के अनुसार असेम्बली भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव होने चाहिए। लेकिन सत्ताधारी पीडीएम कई बहाने कर चुनाव टालता रहा। चुनाव आयोग भी जल्दी चुनाव कराने में अपनी असमर्थता जताता रहा। पर सदर अल्वी ने अचानक एकतरफा 9 अप्रैल को चुनाव कराने की घोषणा कर सबको चैका दिया। हालांकि पीडीएम ने अल्वी के सारे प्रयास को विफल कर दिया और सुप्रीम कोर्ट भी कुछ नहीं कर पाया। अप्रैल 2023 में एक और विवाद सदर अल्वी के नाम जुड़ गया। जब उन्होंने संसद से पास सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसिजर) विधेयक 2023 को लौटा दिया। इस विधेयक के जरिए शहबाज शरीफ सरकार स्वत: संज्ञान के मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के कुछ अधिकारों में कटौती करना चाहती थी। सदर अल्वी द्वारा इस विधेयक के लौटाए जाने के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह बयान दिया था कि सदर अल्वी ने अपने इस कदम से यह सिद्ध किया है कि वह इमरान खान के हुक्म पर काम करते हैं ना कि संविधान के रक्षक के रूप में। डा आरिफ उर रहमान अल्वी पूरा नाम है, पाकिस्तान के इस सदर का। पेषे से दंतचिकित्सक रहे सदर अल्वी इमरान के काफी करीबी रहे हैं। बल्कि वह इमरान खान की पार्टी तहरीक ए इंसाफ के संस्थापक सदस्य रहे हैं। सितंबर 2018 में उन्हें इमरान खान की पार्टी ने ही सदर बनाया और सितंबर 2023 में उनका कार्यकाल भी पूरा हो रहा है।

हिन्द स्वराज

इंग्लैण्ड की हालत (भाग-2)

गतांक से आगे...

प्रश्न- आपके बोलने में कुछ व्यंग्य है। बाँझ शब्द को अब तक आपने लागू नहीं किया। पार्लियामेण्ट लोगों की बनी है, इसलिए बेशक लोगों के दबाव से ही वह काम करेगी। वहीं उसका गुण है, उसके ऊपर का अंकुश है।

उत्तर- यह बड़ी गलत बात है। अगर पार्लियामेण्ट बाँझ न हो तो इस तरह होना चाहिए— लोग उसमें अच्छे-से-अच्छे मेम्बर चुनकर भेजते हैं। मेम्बर तनख्वाह नहीं लेते, इसलिए उन्हें लोगों की भलाई के लिए (पार्लियामेण्ट में) जाना चाहिए। लोग खुद सुशिक्षित-संस्कारी माने जाते हैं, इसलिए उनसे भूल नहीं होती ऐसा हमें मानना चाहिए। ऐसी पार्लियामेण्ट को अर्जी की जरूरत नहीं होनी चाहिए, न दबाव की। उस पार्लियामेण्ट का काम इतना सरल होना चाहिए कि दिन-ब-दिन उसका तेज बढ़ता जाय और लोगों पर उसका असर होता जाय। लेकिन इससे उलटे इतना तो सब कबूल करते हैं कि पार्लियामेण्ट के मेम्बर दिखावटी और स्वार्थी पाये जाते हैं। सब अपना मतलब साधने की सोचते हैं। सिर्फ डर के कारण ही पार्लियामेण्ट कुछ काम करती है। जो काम आज किया वह कल उसे रद करना पड़ता है। आजतक एक भी चीज को पार्लियामेण्ट ने ठिकाने लगाया हो ऐसी कोई मिसाल देखने में नहीं आती। बड़े सवालों की चर्चा जब पार्लियामेण्ट में चलती है, तब उसके मेम्बर पैर फैलाकर लेटते हैं या बैठे-बैठे झपकियाँ लेते हैं। उस पार्लियामेण्ट में मेम्बर इतने जोरों से चिल्लाते हैं कि सुनने वाले हैरान-परेशान हो जाते हैं। उसके एक महान् लेखक ने उसे दुनिया की बातूनी जैसा नाम दिया है। मेम्बर जिस पक्ष के हों उस पक्ष के लिए अपना मत वे बगैर सोचे-विचारे देते हैं, देने को बँधे हुए हैं। अगर कोई मेम्बर इसमें अपवाद रूप निकल आये, तो उसकी कमबख्ती ही समझिये। जितना समय और पैसा पार्लियामेण्ट खर्च करती है उतना समय और पैसा अगर अच्छे लोगों को मिले तो प्रजा का उद्धार हो जाय। ब्रिटिश पार्लियामेण्ट महज प्रजा का खिलौना है और वह खिलौना प्रजा को भारी खर्च में डालता है। ये विचार मेरे खुद के हैं ऐसा आप न मानें। बड़े और विचारशील अंग्रेज ऐसा विचार रखते हैं। एक मेम्बर ने तो यहाँ तक कहा है कि पार्लियामेण्ट धर्मिष्ठ आदमी के लायक नहीं रही। **क्रमश: ...**

कांग्रेस को हिंदू विरोधी छवि भारी पड़ रही है

अजय सेतिया

कांग्रेस में जिस आवाज की जरूरत तीन दशक से महसूस की जा रही थी, वह आवाज अब उठी है। वह आवाज़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने उठाई है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की हिन्दू विरोधी और मुस्लिम परस्त पार्टी की छवि बन गई है। कांग्रेस ने कई बार महसूस किया था कि सेक्यूलरिज्म के नाम पर उसके नेता अक्सर हिन्दू विरोधी और इस्लाम समर्थक लाईन अपनाते हैं। जिस कारण हिन्दू उससे दूर होता जा रहा है।

इंदिरा गांधी के जमाने तक यह दुविधा नहीं थी, क्योंकि इंदिरा गांधी संतुलन बना कर चलती थी। वह मन्दिरों और साधु संतों के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने जाती थीं। उनकी हिन्दू देवी देवताओं में अपार श्रद्धा थी। यहां तक कि आपातकाल के बाद जब कांग्रेस विभाजित हो गई, पार्टी और पार्टी का चुनाव चिन्ह गाय और बछड़ा भी छिन गया था, तो केरल में पालाकाट के अमूर भगवती मन्दिर में विराजमान मां पार्वती के दो हाथों को मां का आशीर्वाद मान कर हाथ के पंजे को कांग्रेस का नया चुनाव निशान बनाया था और चुनाव जीतने के बाद उस मन्दिर में गई थीं। इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को सही अर्थों में सेक्यूलर बनाए रखा था, जिसमें मुस्लिम परस्ती बिलकुल नहीं झलकती थी।

कांग्रेस की मुस्लिम परस्ती 1986 में राजीव गांधी के समय शाहबानों केस पर आए गुजारा भत्ता फैसले को पलटने से शुरू हुई। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के भीतर इस क़ानून का विरोध नहीं हुआ था। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने बिल के विरोध में केबिनेट से इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस छोड़ दी थी। इसके बाद रामजन्मभूमि को लेकर शुरू हुए आन्दोलन के समय कांग्रेस के हिन्दू नेताओं की चुप्पी और मुस्लिम परस्तों की तरफ से राम मंदिर आंदोलन का खुला विरोध कांग्रेस को महंगा पड़ा।

रामजन्मभूमि आन्दोलन के दौरान 1989 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता में जबर्दस्त इजाफा हुआ था। 1984 में जहां वह सिर्फ दो लोकसभा सीटें जीती थीं, वहीं 1989 के चुनाव में 85 सीटें जीत गई थी। लाल कृष्ण आडवानी की रामरथ यात्रा रोके जाने के कारण हुए 1991 में हुए मध्यावधि चुनाव में भाजपा बढ़ कर 120 हो गई थी। 1996 में कांग्रेस को पीछे छोड़ते हुए 161 सीटें जीत गई, और 1998 में 182 सीटें जीत कर अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार ही बना ली।

चुनाव नतीजों के कुछ दिन बाद ही कांग्रेस ने सीता राम केसरी को हटा कर सोनिया गांधी को अध्यक्ष बना लिया था। 1989 के रामजन्मभूमि आन्दोलन के बाद कांग्रेस को लगातार चार चुनावों में बहुमत नहीं मिला था, हालांकि 1991 में चुनावों के दौरान राजीव गांधी की हत्या के कारण आई सहानुभूति की लहर ने कांग्रेस की अल्पमत सरकार बना दी थी। लेकिन कांग्रेस की इसी अल्पमत सरकार के दौरान 1992 में बाबरी ढांचा टूटने के बाद हिंदुत्व आधारित भाजपा की लोकप्रियता में जबर्दस्त इजाफा हुआ था।

1992 में जब बाबरी ढांचा टूटा था, तब भी कांग्रेस के भीतर सिर्फ एकतरफा आवाजें उठी। मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए कांग्रेस के भीतर से ही नरसिम्हा राव को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की गई थी। इसी मुद्दे पर कांग्रेस टूट गई थी। सीताराम केसरी और सोनिया गांधी के नेतृत्व में भी कांग्रेस ढांचा टूटने के लिए नरसिंह राव को जिम्मेदार मानती थी। इसलिए 1996 का चुनाव हारने के बाद राव को पहले अध्यक्ष पद से हटाया गया, और बाद में 1997 में कोलकाता अधिवेशन में उनके मंच पर बैठने का भी विरोध हुआ।

कोलकाता अधिवेशन में सोनिया गांधी ने कांग्रेस की सदस्यता ली, उन्हें मुख्य अतिथि की तरह मंच पर लाया गया था, सोनिया गांधी की मौजूदगी और सीता राम केसरी की रहनुमाई में नरसिम्हा राव को अपमानित किया गया था। देश का हिन्दू इसे देख रहा था, जो यह मानता था कि नरसिम्हा राव ने ढांचा टूटते समय कोई कार्रवाई न करके हिन्दुओं का पक्ष लिया था। लेकिन नरसिम्हा राव को अपमानित करके भी कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ। 1998 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सिर्फ एक सीट बढ़कर 141 हुई थी, क्योंकि मुसलमान उससे खुश नहीं हुआ, और हिन्दुओं की नाराजगी और बढ़ गई।

कांग्रेस की करनी और कथनी का अंतर यहीं से शुरू हुआ। 96 और 98 की लगातार दो हार के बाद और सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस की कार्यसमिति ने 16 जनवरी 1999 में एक प्रस्ताव पास किया था। जिसमें कहा गया था कि हिन्दुइज्म भारत में सेक्यूलरिज्म की सबसे प्रभावी गारंटी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी.एन. गाडगिल उस समय कांग्रेस में हिन्दुओं की एक मात्र आवाज थे। गाडगिल बार बार कहा करते थे कि कांग्रेस में सेक्यूलरिज्म खत्म हो रहा है, मुस्लिमपरस्ती बढ़ रही है। जबकि आज़ादी के आन्दोलन में और उसके बाद इंदिरा गांधी के समय तक कांग्रेस के भीतर हिन्दुओं की सशक्त आवाज हुआ करती थी, जो कांग्रेस को संतुलित बनाए रखती थी। वी.एन. गाडगिल 1989 से लेकर सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने तक कांग्रेस के प्रवक्ता थे। वह कांग्रेस की दशा से बेहद क्षुब्ध थे, पार्टी की रोजाना ब्रीफिंग के बाद पत्रकारों से निजी बातचीत के दौरान वह अक्सर कहा करते थे कि मुस्लिम सिर्फ 18 प्रतिशत हैं, वे सारे भी कांग्रेस को वोट दे दें, तो भी हिन्दुओं के वोटों के बिना कांग्रेस नहीं जीत सकती।

मुस्लिम परस्त और कम्युनिस्ट विचारधारा वाले कांग्रेसियों ने वी.एन. गाडगिल पर छींटाकशी की बहुत कोशिश की, लेकिन वह अपने स्टैंड पर कायम रहे। 16 जनवरी 1999 में कांग्रेस कार्यसमिति से पारित उस प्रस्ताव को बनाने में वी.एन. गाडगिल की ही भूमिका थी, जिसमें कहा गया था कि हिंदूइज्म ही सेक्यूलरिज्म की गारंटी है। उन्होंने इस प्रस्ताव को पास करवाने के लिए सोनिया गांधी को राजी किया था। प्रस्ताव पास करने के बाद कांग्रेस उस पर अमल करना भूल गई, या फिर वह प्रस्ताव मात्र एक औपचारिकता बन गया। क्योंकि 2004 में जब उसकी सत्ता आई तो उसने अपने दस साल के शासन में हिन्दुओं को अपमानित करने और मुसलमानों को खुश करने की कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। हिंदुत्व को बदनाम करने करने के लिए भगवा आतंकवाद की थ्योरी का इजाद किया गया। इस थ्योरी को जयपुर में कांग्रेस के चिन्तन शिविर में मंच से दोहराया गया। आतंकवादी वारदातों को हिन्दुओं के सिर मढ़ने के लिए झूठे केस बना कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पाकिस्तान प्रायोजित मुम्बई में हुए 26/11 के आतंकी हमले का जिम्मेदार भी आरएसएस को ठहरा दिया गया, जबकि पूरी दुनिया सच्चाई जानती थी।

मजबूरी का गठबंधन, ममता समझ गईं विपक्षी एकता की ब्रॉडगेज लाइन

बिमल राय

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब विपक्षी एकता की ब्रॉडगेज लाइन पर आ गई हैं, तो इसके कई कारण हैं। पिछले कुछ सालों में जब-तब उनके मन में प्रधानमंत्री बनने का सपना छलक पड़ता था, उनकी पार्टी पूरे बंगाल में पोस्टर लगवाती थी कि बंगाल दीदी को (बांग्लार मेये) प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहता है। अब इन पोस्टरों को तेजी से बदले राजनीतिक हालात की हवाओं ने फाड़कर उड़ा दिया है और वह कांग्रेस के झंडे तले ही विपक्षी राजनीति करने पर मजबूर हुई हैं। 18 जुलाई को बंगलूरू में हुए विपक्ष की बैठक में ममता बनर्जी ने अपने भाषण में राहुल गांधी को 'माई फेवरिट' कहकर संबोधित किया। हालांकि, इसके ठीक चार महीने पहले उन्होंने अपने एक संबोधन में राहुल को भाजपा का 'एसेट' कहा था। उन्हें तकलीफ थी कि देश से बाहर राहुल के बयानों पर घर में इतनी चर्चा क्यों हो रही है? तृणमूल के मुखपत्र में तो कई बार राहुल गांधी के बारे में ऐसे लेख व संपादकीय छपे, जिसे चलती भाषा में धुलाई कहा जा सकता है। हालांकि, अब वह पूरी तरह कांग्रेस और थोड़ा शर्माते हुए माकपा के साथ भी दिख रही हैं। वैसे, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी अब भी उनकी आंखों में खटक रहे हैं और इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देते हुए अधीर को दलीय तौर पर बोलने का मौका न देने के संदर्भ में कोलकाता से फोन आने की चर्चा कर उनके घावों को कुरेदा था। अभी हाल के पंचायत चुनावों में जिन 56 लोगों की मौत हुई, उनमें करीब आधा दर्जन मुर्शिदाबाद, बहरमपुर और आसपास के कांग्रेसी कार्यकर्ता थे। ये जिले अधीर रंजन का गढ़ माने जाते हैं। खबर तो ऐसी भी है कि अगर राज्य में तृणमूल से चुनावी गठजोड़ के लिए मजबूर किया गया, तो अधीर अपना अलग रास्ता चुन सकते हैं। बीते कुछ सालों में अधीर और प्रधानमंत्री मोदी के बीच होती रही नोकझोंक में भी एक-दूसरे के प्रति नरमी की झलकियां मिलती रही हैं। भाजपा को भी मध्य बंगाल में अधीर जैसे कद्दावर नेता की जरूरत है और भाजपा उन्हें आसानी से केंद्र की राजनीति में खपा सकती है। अब देखना यह है कि अधीर असम के हिमंत बिस्व सरमा की राह पर कब तक आते हैं! बंगलूरू में माकपा ने भी हाथ मिलाया, पर दिल मिला है कि नहीं, इसका सिर्फ अंदाजा लगाया जा सकता है। अब सुगबुगाहट है कि सीताराम येचुरी भी %ईंडिया% गठबंधन से हट सकते हैं। बंगाल की जमीन से जो रिपोर्ट आ रही है, उससे माकपा के सीताराम येचुरी का भी मन डोला है। कायदे से पंचायत चुनावों में ज्यादा सीटें जीतने पर तृणमूल के खेमे में खुशी होनी चाहिए थी, पर इसके लिए जो धतकरम करना पड़ा, शायद उसका अपराध बोध ऐसा नहीं करने दे रहा है। केंद्रीय बलों की सैकड़ों कंपनियों के रहते हुए हर बूथ पर केवल एक पुलिसकर्मी की मौजूदगी में चुनाव कराने, कई जगहों पर बूथ पर तैनात अकेले पुलिस कर्मियों को धमकाने, मतपेटियों व मतपत्रों की लूट, यहां तक कि मतगणना के दिन केंद्र के भीतर केंद्रीय बलों की तैनाती न करने, पुनर्गणना कर हारे हुए को जिता देने, हज करने गए एक व्यक्ति का फर्जी नामांकन का सत्यापन करने जैसी ऐसी-ऐसी धांधलियां हुईं कि इसे प्रहसन से भी बड़ा कुछ कहना चाहिए। इसके अलावा भारी पैमाने पर हिंसा की तस्वीरों से पता चल गया कि दीदी ने यह जीत कैसे हासिल की! कलकत्ता हाईकोर्ट में तीन जजों या पीठों में धांधली से संबंधित दर्जनों मामलों की सुनवाई चल रही है। हालांकि, चुनावों में हुई मारकाट में विपक्षी दलों के उकसावे का भी हाथ है, जिसे जनता के प्रतिरोध का नाम दिया गया। पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कैमरे पर जब यह कहा कि हम ऐसे हालात पैदा करेंगे, जिससे राज्य में अनुच्छेद 355 (राज्य में कानून व्यवस्था संभालने के लिए केंद्र को दखल करने का अधिकार) लागू करने का आधार बनेगा, तो ममता के इस आरोप में थोड़ा सच दिखता है कि इस हिंसा के लिए विपक्ष भी जिम्मेदार है। तृणमूल ने करोड़ों रुपये खर्च कर गोवा, त्रिपुरा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव लड़े, लेकिन वहां उसकी शर्मनाक हार हुई। इन सब कारणों से ममता समझ गई हैं कि अपनी हवाई महत्वाकांक्षा को लगाम लगाकर कांग्रेस की अगुवाई वाले मोर्चे के साथ रहने में ही भलाई है।

यूपी की गठबंधन सियासत पर भारी पड़ सकती हैं कांग्रेस की हसरतें और हकीकत

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कमान हाथ में आने के बाद जिस तरह से कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने राहुल-प्रियंका के क्रमशः अमेठी-वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर राग छेड़ा है, उससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में नया जोश भर गया है। यहां तक कि कांग्रेस आलाकमान को भी लगने लगा है कि उसने यूपी कांग्रेस की जिम्मेदारी अजय राय को सौंप कर तीर निशाने पर मार दिया है। सपा के आईएनडीआई गठबंधन और अजय राय के धमाकेदार अंदाज के सहारे कांग्रेस एक बार फिर से यूपी में अपनी खोई जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। वैसे यह प्रयोग कोई नया नहीं है, 2017 के विधान सभा चुनाव में भी इसी तरह का गठबंधन हुआ था, मगर यूपी के वोटरों को यह साथ पसंद नहीं आया था। इसलिए राजनैतिक पंडित इस बार भी गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। परंतु इसके उलट इस बार कांग्रेस की नजर यूपी की ऐसी एक चौथाई सीटों पर है, जिन पर पार्टी अपने आप को मजबूत स्थिति में समझती है। खैर, कांग्रेस के दावों से अलग बात की जाए तो उसके (कांग्रेस) लिए सबसे बड़ी चिंता यूपी में घटते हुए जनाधार की है। ऐसे में जब एनडीए को हराने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन के साथ कांग्रेस आगे बढ़ रही है तो पार्टी का फोकस उन सीटों पर है, जहां पार्टी पिछले चुनाव में दूसरे या तीसरे स्थान पर रही थी। कांग्रेसियों का कहना है कि करीब दो दर्जन लोकसभा सीटों पर पार्टी अपनी दावेदारी ठोक सकती है। इनमें रायबरेली व अमेठी के साथ वाराणसी, महाराजगंज, कुशीनगर, फैजाबाद, डुमरियागंज, बांसगांव, गोंडा, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, खीरी, कानपुर, उन्नाव, प्रतापगढ़, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, फर्रुखाबाद, बाराबंकी व मुरादाबाद जैसी सीटें शामिल हैं। बात पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों की कि जाए तो कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ सोनिया गाँधी की एक लोकसभा सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब इसका श्रेय राहुल गांधी को दिया गया था। 2009 में कांग्रेस द्वारा जीती गयी सीटों में अमेठी, रायबरेली, मुरादाबाद, धौराहरा, उन्नाव, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फर्रुखाबाद, कानपुर, अकबरपुर और झांसी जैसी सीटें शामिल थीं। पार्टी चाहती है कि एक बार फिर से इन सीटों पर अपनी पूरी ताकत लगाई जाए। कांग्रेस का फोकस सीट के जातीय समीकरण के साथ पार्टी के पूर्व के प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है। 2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा था और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों-रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी थी। 2019 के चुनाव में तो कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई थी। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नबंर पर रही थी। रायबरेली की सीट कांग्रेस के खाते में इसलिए आई थी क्योंकि अमेठी के साथ-साथ यहां से सपा ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था। इसके बावजूद राहुल गांधी अमेठी से हार गए थे। बहरहाल, कांग्रेस भले ही उत्तर प्रदेश में बड़ी उड़ान के सपने देख रही है, लेकिन यह मिशन समाजवादी पार्टी के बिना पूरा होते दिखाई नहीं दे रहा है, ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या समाजवादी पार्टी का नेतृत्व कांग्रेस की उम्मीद के अनुसार उसे लोकसभा की सीटें दे देगा। अगर नहीं देगा तो गठबंधन में दरार भी पड़ सकती है। ऐन मौके पर यदि बसपा भी इस गठबंधन में शामिल हो गई तो वह भी इससे कम सीटें अपने लिए नहीं चाहेगी। फिर राष्ट्रीय लोकदल भी 8-10 सीटों पर उम्मीद लगाए बैठा है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने यूपी में अपनी हकीकत को समझने की बजाय हसरतों पर ज्यादा ध्यान दिया तो सपा के लिए कांग्रेस से दूरी बनाए रखने का रास्ता खुल जाएगा।

भाजपा मुस्लिम मतदाताओं की ओर

अजय कुमार

एक समय था जब बीजेपी को ब्राह्मण-बनिया और अगड़ों की पार्टी समझा जाता था। दलित-पिछड़े उससे दूर रहते थे। मुसलमान तो बीजेपी का कट्टर विरोधी हुआ करता ही था। बाद में बीजेपी ने अपना दायरा बढ़ाया और राम मंदिर आंदोलन के सहारे पूरे हिन्दू समाज को संगठित करने का काम किया। इसी के साथ ब्राह्मण-बनिया वाली बीजेपी हिन्दूवादी पार्टी बन गई। इसका फायदा यह हुआ कि कई राज्यों में उसकी सरकारें बनीं। केन्द्र में भी बीजेपी गठबंधन की सरकार बनी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से निकले और बीजेपी के कद्दावर नेता अटल बिहारी वाजपेयी देश के पहले संघी विचाराधारा के प्रधानमंत्री बने। बाद में बीजेपी का प्रभाव और बढ़ा, लेकिन जातिवाद के नाम पर वोटों के बिखराव को बीजेपी आलाकमान लम्बे समय तक नहीं रोक पाया क्योंकि समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव और बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती लगातार पिछड़ों और दलितों को बीजेपी के खिलाफ भड़काने का काम करते रहे। इसके बाद यही काम आज अखिलेश यादव जातीय गणना की मांग करके आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन इसमें इन्हें कोई खास सफलता नहीं मिल रही है। बीजेपी ने एक मजबूत वोट बैंक खड़ा कर लिया है और अब इसे और मजबूत करने के लिए बीजेपी अपनी मुस्लिम विरोधी छवि तोड़ने का प्रयास कर रही है।

भाजपा मुसलमानों के पिछड़े वर्ग यानी पसमांदा समाज में पैठ बनाने और मुस्लिमों के बौद्धिक वर्ग में पार्टी के खिलाफ बनी धारणा तोड़ने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। इस क्रम में पार्टी के भीतर मुसलमानों की नई टीम तैयार की जा रही है, इसमें बौद्धिक और पिछड़ा वर्ग से जुड़ी शख्सियतों को तरजीह दी जा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग का वोट हर हाल में हासिल करने की रणनीति बीते साल हैदराबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बनी थी। वोट की परवाह किए बिना मुस्लिम खासकर पसमांदा मुसलमानों से संपर्क साधने के पीएम के आह्वान के बाद इसके लिए रोडमैप तैयार किया गया। मुसलमानों की नई टीम बनाने के संकेत बीते साल कई मौकों पर मिल चुके थे। उत्तर प्रदेश में मोहसिन रजा की जगह दानिश अंसारी

को मंत्री बनाया गया। बीते साल ही मुख्तार अब्बास नकवी और जफर इस्लाम का राज्यसभा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया। उसी साल मोदी सरकार ने गुर्जर मुस्लिम समुदाय के गुलाम अली खटाना को राज्यसभा में मनोनीत सदस्य बनाया। शहजाद पूनावाला के रूप में एक तेजतर्रार युवा को पार्टी का प्रवक्ता बनाया। मुसलमानों का दिल जीतने के लिये स्नेह यात्रा निकाली गई। अलीगढ़ विवि के पूर्व वाइस चासंलर प्रो. तारिक मंसूर का विधान परिषद में मनोनयन किया गया। इसके पीछे की सोच बौद्धिक मुस्लिम वर्ग की सोच को बदलना था।

दरअसल, भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि बीजेपी के मुसलमानों में पैठ न बन पाने की बड़ी वजह बौद्धिक वर्ग में बनी पार्टी विरोधी धारणा है। इसी के चलते पसमांदा मुसलमानाओं और सरकारी योजनाओं के लाभार्थी वर्ग तक बीजेपी योजनाबद्ध तरीके से नहीं पहुंच पाई। इन दोनों ही रुकावट को दूर करने के लिए पार्टी को इन्हीं वर्ग के नए और महत्वपूर्ण चेहरे की जरूरत थी। इसी क्रम में आरिफ मोहम्मद खान को राज्यपाल बनाने के बाद तारिक मंसूर को विधान परिषद में मनोनीत किया गया और अब उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया गया है। इस समुदाय के पिछड़े और पसमांदा वर्ग के नए चेहरे को लगातार संगठन, सरकार और संसद में जगह दी गई। आगामी लोकसभा चुनाव खासतौर पर उत्तर प्रदेश में पार्टी के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं हैं। यूपी सहित बीजेपी के प्रभाव वाले राज्यों की ज्यादातर सीटें पार्टी के पास हैं, जबकि इस बार तेलंगाना को छोड़कर विस्तार की कोई गुंजाइश नहीं दिख रही। ऐसे में पार्टी को प्रभाव वाले क्षेत्रों की सीटें बरकरार रखने के लिए अतिरिक्त मत की जरूरत है, यह तभी हो सकता है जब मुसलमानों का भी दिल जीता जा सके।

गौरतलब है कि पार्टी अतीत में मुसलमानों के संदर्भ में अब तक प्रतीकात्मक राजनीति करती रही थी। इसके कारण चुनिंदा चेहरों को संगठन और सरकार में अहमियत तो मिली, मगर पार्टी को इसका कोई लाभ नहीं मिला। पीएम इस परिपाटी को खत्म करना चाहते हैं। यही कारण है कि बीते नौ सालों में नजमा हेपतुल्ला, एमजे अकबर की अहमियत घटी, कई चेहरों को राज्यसभा में दोबारा मौका नहीं मिला। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर हर पैंतरा अपना रही है। इसी क्रम में यूपी फतह के लिए बीजेपी केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की लिस्ट में यूपी के 8 नेताओं को जगह दी गई है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व बीजेपी एमएलसी डॉ. तारिक मंसूर की हो रही है। बीजेपी आलाकमान ने उन्हें काफी सोच-विचार के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। मकसद साफ है, पार्टी आलाकमान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर के जरिए मुस्लिम वोटर्स को साधने का प्रयास कर रही है। इसी योजना के तहत बीजेपी ने उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे बड़े ओहदे से नवाजा है।

बीजेपी पिछले कुछ दिनों से पसमांदा मुस्लिमों के वोट बैंक में सेंधमारी करने की जुगत में है। इसी योजना के तहत बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मुस्लिम चेहरे के रूप में तारिक मंसूर को जगह दी गयी है। बात डॉ. तारिक मंसूर की पहचान की कि जाए तो राजनीति में आने से पहले तारिक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति रहे हैं। भाजपा ने कुछ दिनों पहले ही उन्हें एमएसली बनाया था। वह अलीगढ़ जिले के रहने वाले हैं। डॉ. तारिक मंसूर आरएसएस की विचारधारा से प्रेरित हैं, कोरोना काल के दौरान उन्होंने पीएम मोदी के कार्यों की जमकर तारीफ की थी। बीजेपी को इनसे काफी उम्मीद है। खासकर मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर तारिक तरूप का इक्का साबित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 29 सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। पूरे प्रदेश में करीब 4 करोड़ मुसलमान हैं और उनमें सबसे अधिक आबादी पसमांदा मुसलमानों की है। वेस्ट यूपी में मुस्लिम वोटरों की संख्या सबसे अधिक मानी जाती है।

राजस्थान में इस बार टूट सकता है हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में जिताऊ प्रत्याशियों पर ही दांव लगाएगी। पार्टी को जो प्रत्याशी जीतने वाला लगेगा चाहे वह कितनी भी अधिक उम्र का क्यों ना हो उसे मैदान में उतारा जाएगा। कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे में उभर कर आएगा उसको ही इस बार कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले नाम पर ही मोहर लगाएंगे।

जयपुर में संपन्न हुई नवगठित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में कहा था कि हम चुनाव जीतेंगे। हमने प्रदेश की जनता के भले के लिए बहुत से नए काम किए हैं तथा बहुत-सी नयी योजनाएं प्रारंभ की हैं। जिससे प्रदेश की अधिकांश जनता लाभान्वित हो रही है। हमारे द्वारा शुरू किए गए कामों की बदौलत ही राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को फिर से जिताने का मानस बना लिया है। कांग्रेस के सभी नेता मिलजुल कर पूरी एकजुट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवासी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं।

गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेगी कि क्या हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं। जनता इस बात का एहसास कर रही है।

जयपुर में कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में युवा हों या बुजुर्ग हों, टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। गहलोत का मानना है कि कर्नाटक चुनाव में 90 साल के व्यक्ति को भी टिकट दिया गया था जो चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो

जीत सकता है उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि उदयपुर चिंतन शिविर के घोषणापत्र का पालन टिकटों में नहीं होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकटों में प्राथमिकता देने की जगह जिताऊ का मापदंड रहेगा।

कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के टिकट जल्दी से जल्दी तय करना चाहती है। कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने से पहले प्रत्याशियों के नाम तय कर देना चाहते हैं। इसको लेकर ब्लाक कमेटियों से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित चुनावी समितियों की बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों और पार्टी नेताओं ने टिकटों के पैनल पर काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों पर गुजरात, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के 25 विधायकों को पार्टी पर्यवेक्षक बनाकर जिलों में भेजा गया था।

सभी पर्यवेक्षकों ने जिलों में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन कर विभिन्न नेताओं से पार्टी के संभावित प्रत्याशियों के बारे में फीडबैक लिया तथा पार्टी का टिकट चाहने वालों के बायोडाटा भी एकत्रित किए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने जयपुर लौटकर अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को सौंप दी है। इसके अलावा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों से भी राय मांगी जाएगी। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी भी लगातार प्रदेश का दौरा कर विभिन्न स्तरों पर रायशुमारी कर रहे हैं। टिकट वितरण में पार्टी द्वारा उम्र का बंधन लागू नहीं करने के कारण उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने की संभावना बन गई है। कांग्रेस विधायक हेमाराम चौधरी, दीपेंद्र सिंह शेखावत और भारत सिंह जैसे उम्रदराज नेताओं ने अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। मगर उम्र का बंधन नहीं होने के चलते शायद यह लोग भी फिर से चुनावी मैदान में उतर जायें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में एक बड़ी रैली को संबोधित कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी है। राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत भी चुनाव को लेकर पूरे आक्रामक मूड में है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अपने नजदीक माने जाने वाले कांग्रेस नेताओं को जमकर फटकार लगाई।

विधायक रघु शर्मा ने जब जातिगत जनगणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए इससे चुनावों में नुकसान होने की आशंका जताई तो गहलोत ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि तुम तो नेशनल लीडर हो। राहुल गांधी से ही सीधी बात क्यों नहीं कर लेते। आपको पता है यह हमारी पार्टी का नेशनल स्टैंड है और आप इस तरह की बात कह रहे हो। कर्नाटक में राहुल गांधी ने बोला था। बाकी जगह भी कांग्रेस का यही स्टैंड है।

बैठक में पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने आदिवासी इलाके मानगढ़ की सभा में एसटी आरक्षण की जगह ओबीसी आरक्षण पर घोषणा करने को पार्टी के लिए नुकसानदायक बताते हुए इस पर सवाल उठाए। रघुवीर मीणा के सवाल उठाने पर गहलोत ने कहा कि मुझे पता है कहां क्या घोषणा करनी है। मुख्यमंत्री सबका होता है मेरी प्राथमिकता सब लोग हैं। कोई बात कहां रखनी है, मैं मुख्यमंत्री हूं इतना तो जानता ही हूं। अब तो सलूंबर को जिला बना दिया और आपके चुनाव जीतने का रास्ता साफ कर दिया है। फिर भी यह बात बोल रहे हो।

इस टूर पैकेज से सस्ते में घूमें थाईलैंड

आईआरसीटीसी पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए अक्सर नए टूर पैकेज पेश करता है. इन पैकेजों के साथ आपके पास विदेश यात्रा करने का भी अवसर है. आईआरसीटीसी फिलहाल थाईलैंड घूमने का मौका दे रहा है. दोस्तों के साथ थाईलैंड घूमने के लिए अप्रैल एक अच्छा समय है. आईआरसीटीसी का थ्रिलिंग थाईलैंड पैकेज छुट्टियों को उतना ही रोमांचक बना देगा, जितना कि इसके नाम का वादा है.

नाश्ता और खाना दोनों मिलेंगे

इस टूर पैकेज के दौरान आईआरसीटीसी नाश्ता और रात का खाना दोनों उपलब्ध कराएगी. पैकेज डील की दरों में नाश्ते और रात के खाने की लागत शामिल होगी.

पैकेज 6 दिनों का पूरा शेड्यूल

पहला दिन: आपको पटना हवाई अड्डे से प्रस्थान करना होगा.

दूसरा दिन: आप दूसरे दिन बैंकॉक हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे. फिर आपको वहां से पटाया ले जाया जाएगा. आगमन और नाश्ते पर आपको होटल में पंजीकृत किया जाएगा. एक दिन के विश्राम के बाद शाम को आपको अलकजार तमाशा देखने का अवसर मिलेगा. प्रदर्शन के बाद आपका डिनर निर्धारित किया जाएगा. आप अगली रात होटल में बिताएंगे.

तीसरा दिन: तीसरे दिन नाश्ते के बाद, एक स्पीडबोट आपको कोरस द्वीप तक ले जाएगी. आप यहीं समुद्र तट पर कई तरह की एक्टिविटीज में शामिल हो सकते हैं, लेकिन आपको यहां किराया खुद देना होगा. एक बार वहां कुछ समय बिताने के बाद, आपको पटाया वापस ले जाया जाएगा. रात का खाना खाने के बाद आप होटल में ही रात गुजारेंगे.

चौथा दिन: चौथे दिन नाश्ते के बाद आपको सफारी टूर पर ले जाया जाएगा. पूरा दिन खोजबीन में बिताने के बाद आपको वापस बैंकॉक ले जाया जाएगा. यहां आपके ठहरने और किसी होटल में डिनर का प्लान बनेगा.

पांचवां दिन: पांचवें दिन नाश्ते के बाद होटल से चेक आउट करें. उसके बाद, आपके पास आधे दिन के लिए शहर को एक्सप्लोर करने का अवसर होगा. एक भारतीय रेस्तरां में आपके दोपहर के भोजन का इंतजाम किया जाएगा. दोपहर के भोजन के बाद शॉपिंग कर सकते हैं.

छठा दिन: रात के खाने के बाद आपको हवाई अड्डे पर उतार दिया जाएगा. आपकी पटना वापसी छठे दिन होगी.

थाईलैंड टूर पैकेज टिकट की कीमतें

सिर्फ एक व्यक्ति के लिए रिजर्व कराने के लिए आपको 60,010 रुपये का भुगतान करना होगा. इसके विपरीत, यदि आप दो व्यक्तियों के लिए रिजर्व करते हैं, तो आपको प्रति व्यक्ति 52,350 रुपये का भुगतान करना होगा. तीन व्यक्तियों के लिए रिजर्व करते समय आपको प्रति व्यक्ति 52,350 रुपये खर्च करने होंगे. यदि आप 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चे के साथ यात्रा कर रहे हैं, तो आपको 50,450 रुपये का भुगतान करना होगा, जिसमें एक बिस्तर भी शामिल है. जबकि बिना बिस्तर के टिकट रिजर्व के लिए आपको रु. 45,710 देने होंगे.

बेंगलुरु के खूबसूरत हिल स्टेशन

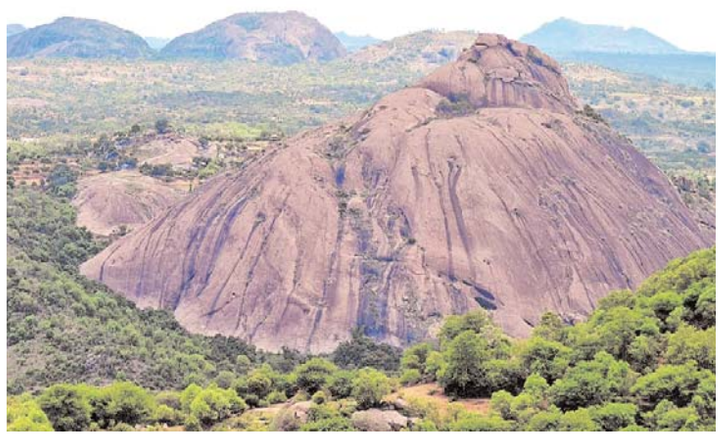

अगर आप भी भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय ब्रेक लेकर किसी शांत और खूबसूरत जगह पर जाता चाहते हैं। तो हम आज आपको बेंगलुरु के आसपास के कुछ बेस्ट हेल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप कुछ सुकून के पल बिता सकते हैं।

बेंगलुरु कर्नाटक राज्य की राजधानी होने के अलावा दक्षिण-भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पूरे भारत में यह शहर हाई-टेक उद्योगों का केंद्र भी माना जाता है। बता दें कि बेंगलुरु अपने खूबसूरत पार्कों, शानदार मौसम और मनमोहक झीलों के लिए काफी फेमस है। ऐसे तो यहां पर घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में अगर आप भी शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय के लिए किसी शांत जगह पर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो आप बेंगलुरु के आसपास स्थिति कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन पर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

नंदी हिल

अगर आप बेंगलुरु की भागदौड़ भारी जिंदगी से दूर किसी खूबसूरत और शांत जगह पर जाना चाहते हैं। तो आप नंदी हिल स्टेशन जा सकते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां पर पूरे साल मौसम सुहावना बना रहता है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। हरे-भरे जंगल और पहाड़ों के बीच टीपू सुल्तान का महल मौजूद है। जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। नंदी हिल समुद्र तल से लगभग 4 हज़ार से भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां से आप सनसेट और सनराइज की खूबसूरत झलक भी देख सकते हैं। साथ ही यहां पर आप भगवान शिव उनकी पत्नी पार्वती व नंदी को समर्पित नंदेश्वर मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं।

होर्सले हिल्स

आंध्र प्रदेश में स्थित और बेंगलुरु के पास में मौजूद होर्सले हिल्स जाने के बाद आप किसी दूसरी दुनिया में होने का एहसास करेंगे। जब बेंगलुरु के अन्य हिस्सों में भयंकर गर्मी पड़ती है तो यहां का मौसम एकदम सुहावना रहता है। यहां पर सुबह-शाम ठंडी हवा चलती है। होर्सले हिल्स में जाने के बाद व्यक्ति खुद को प्रकृति के बेहद करीब महसूस करता है। होर्सले हिल्स के नजारे देख आपकी साऱी थकान औक दर्द दूर हो जाएंगे। इसके अलावा यहां पर आप फोटोग्राफी और ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

रामानगरम हिल

बेंगलुरु के पास में स्थित रामानगरम हिल में आप सुकून के पल बिता सकते हैं। चट्टानी पहाड़ियों और हरे भरे वातावरण के बीच मौजूद रामानगरम हिल स्टेशन पर आप अपने पार्टनर के साथ जा सकते हैं। रामानगरम हिल के पास में मौजूद रामदेवरबेट्टा गिद्ध अभ्यारण्य इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है। यहां पर जाने के लिए मार्च से जून का महीना सबसे बेस्ट होता है।

अन्तर गंगे

बेंगलुरु के आसपास में मौजूद अन्तर गंगे/अंतरा गंगे एक बेहद हरी खूबसूरत और रहस्यमयी हिल है। यहां पर चट्टानी शिलाखंडों, छोटी गुफाओं और घने वृक्षारोपण हैं। यह आसपास के शहरों की फैमस जगह है। बता दें कि अंतर गंगे समुद्र तल से लगभग 2 हज़ार मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां पर आप गंगे ट्रेकिंग और रॉक क्लाइम्बिंग का भी मजा ले सकते हैं। गर्मियों में भी यहां का तापमान एकदम सुहावना होता है। इसके अलावा यहां पर मौजूद पवित्र काशी विश्वेश्वर मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं।

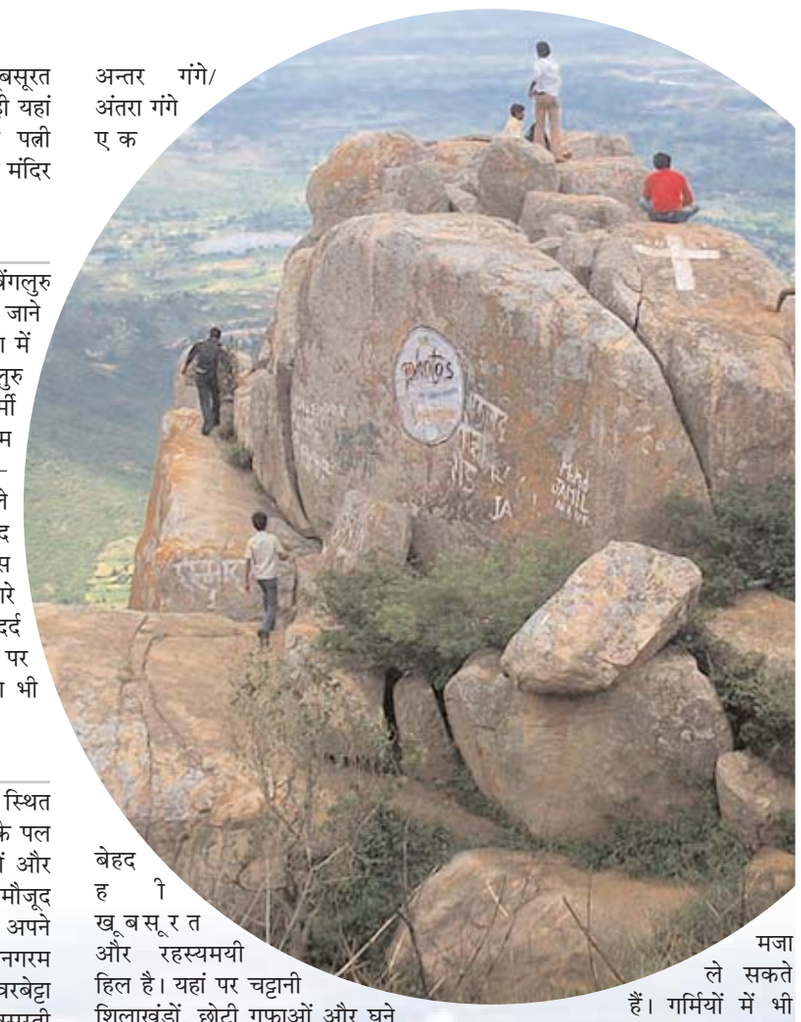

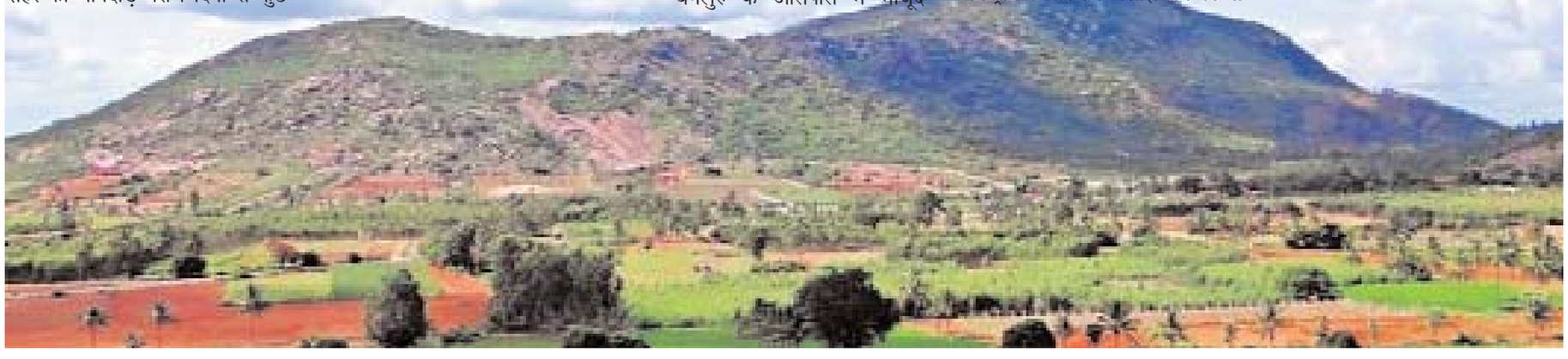

[भविष्यफल]

मेष

आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी अधूरे कार्य के पूर्ण होने से धनागम या खुशी होगी। आज आपके सामाजिक व्यवहारों में वृद्धि होगी। मध्यान के बाद सेहत के साथ साथ कार्य क्षेत्र में भी सुधार होगा। परिजनों से मधुरता बनाएँ रखे। गुस्से पर नियन्त्रण रखें।

वृष

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वभाव से चंचल रहेंगे। किसी की भी बातो को बिना तथ्य जाने सच न माने। बुरानी बीमारियों में आज थोड़ा सुधार आएगा फिर भी लापरवाही से बचें। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन सामान्य रहेगा। आय-व्यय लगभग समान ही रहेंगे। स्वास्थ्य लाभ होगा।

मिथुन

आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। विरोध करने वालो को अपनी गलती का अहसास होगा। कार्य क्षेत्र पर आज अनमने मन से ही कार्य करेंगे। धन लाभ अल्प मात्रा में होगा। संध्या के आस-पास अपने बुद्धि विवेक से कुछ रुके काम बना लेंगे जिससे निकट भविष्य में आय की संभावना बनेगी।

कर्क

आज के दिन आप अधिक परिश्रम के कारण शारीरिक शिथिलता अनुभव करेंगे लेकिन परिश्रम का सकारात्मक फल मिलने से उत्साहित भी रहेंगे। आवश्यकता अनुसार धन की आमद हो ही जाएगी। उधार दिए धन की वसूली की लिए समय उपयुक्त है .

सिंह

आज का दिन आपकी सुख शांति में वृद्धि करेगा। व्यापार व्यवसाय में आकस्मिक लाभ के सौदे मिलने से भविष्य की योजनाएं गति लेंगी। नौकरी पेशा जातको को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा जिससे सम्मान की प्राप्ति भी होगी। परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या

आज आप आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। आप पूरी निष्ठा एवं तैयारी के साथ अधूरे कार्य पूर्ण करने में लग जाएंगे। सहकर्मियों का सहयोग अपेक्षा से कम ही रहेगा फिर भी धन लाभ में ज्यादा व्यवधान नही आएंगे। बड़ो का आशीर्वाद फलिल होगा।

तुला

आज आप दिन का समय शांति से बिताएंगे। कोई समाचार प्राप्त हो सकता है। धार्मिक भावनाएं आज बलवती रहेंगी। धर्म के कामो में समय एवं धन व्यय करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन आपके बौद्धिक एवं शारीरिक परिश्रम पर ज्यादा निर्भर करेगा।

वृश्चिक

आज के दिन मध्यान से पहले आपको कोई लाभदायक समाचार मिलेगा धन कोष में भी आकस्मिक वृद्धि होगी। कार्य व्यवसाय से दिन के पहले भाग में अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक लाभ कमा लेंगे। सरकारी कार्य आज करने से सफलता की संभावनाएं अधिक रहेंगी।

धनु

आज आप पूरी निष्ठा एवं तैयारी के साथ अधूरे कार्य पूर्ण करने में लग जाएंगे सहकर्मियों का सहयोग अपेक्षा से कम ही रहेगा फिर भी धन लाभ में ज्यादा व्यवधान नही आएंगे। व्यवसायी वर्ग नगद व्यवहार को अधिक महत्त्व देंगे। पारिवारिक वातावरण सामान्य व सम्बन्ध मधुर रहेंगे।

मकर

आज के दिन आपकी महात्त्वकांक्षाये बढ़ चढ़ कर रहेंगी। कार्य व्यवसाय में जल्दबाजी न करने की सलाह है मन लगाकर कार्य करें परिणाम सुखद होंगे। आर्थिक रूप से दिन सामान्य रहेगा। मध्यान के बाद कही से अकस्मात लाभ होने की संभावना है।

कुंभ

आज आपका दिन मनोनुकूल ही रहेगा। कोई समाचार प्राप्त हो सकता है। धार्मिक भावनाएं आज बलवती रहेंगी। धर्म के कामो में समय एवं धन व्यय करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन आपके बौद्धिक एवं शारीरिक परिश्रम पर ज्यादा निर्भर करेगा।

मीन

आपको आज का दिन मिला-जुला फल देगा। भाई व मित्र के सहयोग से सफलता मिलेगी। आध्यात्मिक विचारों में और वृद्धि होगी। दिन के आरंभ में आलस्य रहेगा। अतिआवश्यक एवं धन संबंधित कार्य मध्यान से पहले पूर्ण करने का प्रयास करें। कार्य क्षेत्र पर भाईचारे का ध्यान रखे।

ऑस्ट्रेलिया एक लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशन

इन 5 देशों को हॉलीडे प्लान में कर सकते हैं शामिल

अपने आश्चर्यजनक परिदृश्य और अद्वितीय वन्य जीवन के साथ, ऑस्ट्रेलिया हमेशा एक लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशन रहा है और हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है. लेकिन इसके आसपास और भी कई डेस्टिनेशन हैं जो उतने ही आश्चर्यजनक और आकर्षक हैं. ऑस्ट्रेलियाई इमिग्रेशन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, वीजा अपने पर्यटकों को फिजी और वानुअतु जैसे पड़ोसी देशों में भी घूमने का अवसर प्रदान करता है. डेस्टिनेशन के लिए वीजा प्राप्त करने के बाद आप निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया के आसपास के कुछ खूबसूरत स्थलों की ट्रैवल प्लानिंग बना सकते हैं. जानें ऑस्ट्रेलिया के आसपास के पांच पड़ोसी देश जहां आप जा सकते हैं.

पापुआ न्यू गिनी

पापुआ न्यू गिनीः यह डेस्टिनेशन साहसिक यात्रियों के लिए है जो कुछ अलग हटकर अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं. यह ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में स्थित है. अपने सुदूर वर्षावनों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और विविध जनजातीय संस्कृतियों के साथ, यह स्थान एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है. यात्री पारंपरिक गांवों के साथ प्राचीन रीति-रिवाजों को देख सकते हैं और हरे-भरे जंगलों के माध्यम से छिपे हुए झरनों और बहुत कुछट्रेक कर सकते हैं.

सोलोमन आइलैंड्स

सोलोमन आइलैंड्सः ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में स्थित, सोलोमन आइलैंड्स आश्चर्यजनक द्वीपों का एक समूह है जो अपने फिरोजा पानी, सफेद रेतीले समुद्र तटों और जीवंत समुद्री जीवन के लिए जाना जाता है. पर्यटक स्नोर्केलिंग, गोताखोरी और मछली पकड़ने जैसी कई गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं.

फिजी

फिजीः यह आश्चर्यजनक द्वीप राष्ट्र दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित है और अपने प्राचीन समुद्र तटों, एकदम साफ पानी और उष्णकटिबंधीय परिदृश्य के लिए जाना जाता है. यह अपने गर्म आतिथ्य और संस्कृति के साथ एक आदर्श ट्रैवल डेस्टिनेशन है. यह स्थान अपने शानदार रिसॉर्ट्स, स्पा रिट्रीट और स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों के लिए भी प्रसिद्ध है, जो इसे लोकप्रिय बनाता है.

सिंगापुर

सिंगापुरः यह महानगरीय शहर अपने आधुनिक क्षितिज, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है. मरीना बे सैंड्स, गार्डन बाय द बे और सेंटोसा द्वीप जैसे उत्कृष्ट आकर्षणों के साथ, सिंगापुर एक गतिशील शहरी अनुभव चाहने वाले पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है. शहर-राज्य अपनी खरीदारी, मनोरंजन के विकल्प और भोजन के लिए भी प्रसिद्ध है.

वानुअतु

वानुअतुः यह दक्षिण प्रशांत में एक खास स्थान है, जो अपने सफेद रेतीले समुद्र तटों, फिरोजा जल और जीवंत प्रवाल भित्तियों के लिए जाना जाता है. अपने हरे-भरे वर्षावनों, झरते झरनों और अनूठी संस्कृति के साथ, एडवेचर्स स्पोर्ट्स के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है. आगंतुक स्नॉर्केलिंग, डाइविंग और लंबी पैदल यात्रा जैसी एक्टिविटीज का आनंद ले सकते हैं.

काजीरंगा नेशनल पार्क में ये मजेदार चीजें

अगर आप भी असम की खूबसूरती का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आपको काजीरंगा नेशनल पार्क जरूर जाना चाहिए। प्रकृति प्रेमी और एडवेंचर के शौकीन लोगों के लिए काजीरंगा नेशनल पार्क बेस्ट जगह है। यहां पर आप जीप सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

असम अपनी खूबसूरती के लिए पर्यटकों के बीच काफी फेमस है। लेकिन नेचर प्रेमियों के के लिए यहां पर एडवेंचर और विभिन्न जीव-जंतुओं बेहद करीब से देखने का अनुभव मिलता है। ऐसे में आपको काजीरंगा नेशनल पार्क घूमने के लिए जरूर जाना चाहिए। काजीरंगा नेशनल पार्क एक सींग वाले गैंडों के लिए काफी फेमस है। इसके अलावा आपको यहां पर जीवंत टाइगर रिजर्व भी मिलेगा। जहां पर आप बाघों सहित अन्य कई दुर्लभ प्रजातियों को देख सकते हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क 430 वर्ग किमी के क्षेत्र में स्थित है। असम में देखने लायक यह नेशनल पार्क एक बेहतरीन जगह है। यहां पर आप कई एक्टिविटीज भी कर सकते हैं।

जीप सफारी

अगर आप भी नेशनल पार्क का बेहतरीन दौरा करना चाहते हैं। साथ ही यहां पर कई दुर्लभ जीव-जन्तुओं को देखना चाहते हैं। तो आप जीप सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क के 4 क्षेत्रों में आप जीप सफारी करते हुए एक सींग वाले गैंडे के अलावा अन्य विदेशी जानवरों और बेहतरीन दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। नेशनल पार्क के इन 4 जोन में कोहोरा में सेंट्रल रेंज में मिहिमुख, अगराटोली में पूर्वी रेंज में अगराटोली, घोराकाटी में बुरापहाड़ रेंज में घोराकाटी और बागोरी में पश्चिमी रेंज में बागोरी है।

जिंदगी भर नहीं भूलेंगे ये एक्सपीरियंस

अनोखे पक्षी

एक ओर जहां काजीरंगा ब्रह्मपुत्र नदी के साथ अपनी सीमा को बांटता है। इसके अलावा आपको इस पार्क में पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां भी देखने को मिलेगी। अगर आप भी बर्ड लवर हैं तो यह नेशनल पार्क आपको निराश नहीं करेगा। पानी के लैगून की संख्या के चलते यहां की पूर्वी सीमा पक्षियों को देखने के लिए सबसे अनुकूल जगह है। इस दौरान यहां पर व्हिसलिंग टील, ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क और पेलिकन के अलावा कुछ अनोखे पक्षियों को भी देख सकते हैं। साथ ही इन्हें अपने कैमरे में भी कैद कर सकते हैं।

एलिफेंट सफारी

काजीरंगा नेशनल पार्क में जीप सफारी बेहद आम है। लेकिन अगर आप यहां पर कुछ अलग एक्सपीरियंस करना चाहते हैं तो आप एलिफेंट सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। यह एडवेंचर्स से भरपूर है। इस दौरान आप एलिफेंट सफारी का लुत्फ उठाते हुए जंगल और अन्य वन्य जीवों को काफी करीब से देख सकते हैं।

काजीरंगा ऑर्किड नेशनल पार्क

सेंट्रल रेंज के पास यह एक सुंदर ऑर्किड पार्क है। यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलेगी। इस पार्क में ऑर्किड की करीब 500 प्रजातियां देखने को मिलेंगी। इन प्रजातियों को देखने का एक्सपीरियंस आप पूरी जिंदगी नहीं भूल पाएंगे। इसमें बांस की 46 प्रजातियां, पत्तेदार सब्जियों और खट्टे फलों की 132 प्रजातियां और स्थानीय मछलियों की विभिन्न प्रजातियां भी हैं। यह एक बेहतरीन पार्क है। यहां पर आने वालों पर्यटकों के लिए शाम के समय कल्चरल प्रोग्राम भी आयोजित किया जाता है। यह कल्चरल प्रोग्राम असम की विरासत और संस्कृति को दर्शाता है।

मैंने सभी बिल दिए, फिर भी ईडी ने सोना जब्त किया : विनोद वर्मा

■ मुख्यमंत्री बघेल के राजनीतिक सलाहकार बोले- ये डकैती है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर ईडी के छापे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैंने अपने घर से बरामद सोने के सभी बिल पेश कर दिए हैं। फिर भी ईडी ने यह कहते हुए सारा सोना जब्त कर लिया कि यह सत्यापित करने के लिए आपके पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि सोना कहां से खरीदा गया था। वे आईपीसी और सीआरपीसी को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। वर्मा ने ईडी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि ये मेरे घर डकैती है, लूट है।

उन्होंने कहा कि मेरा पत्रकारिता का जो पेशेवर जीवन है वह बहुत बड़ा है। उसकी तुलना में राजनीतिक जीवन थोड़ा छोटा है पर मैं आपको ये कहना चाहता हूं कि मैं मेरे घर में जो धूल है, वह भी मेरे पैर की ही है। अगर उसमें कुछ और शामिल है तो आप जैसे मित्रों के घर आने से जो धूल आती होगी वही होगी। उसके अलावा मेरे पास कुछ भी नहीं है, जिस पर आप शक कर सकें। मेरे घर में कल डकैती हुई है, लूट हुई है। मैं पुख्ता आधार पर ये कह रहा हूं।

जितना भी सोना खरीदा, उसका एक-एक का बिल दिया

उन्होंने कहा कि ईडी ने जो बयान लिया है उसमें भी मैंने यह दर्ज करवाया है कि आप मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं और जो कुछ भी आप कर रहे हैं और डकैती है, लूट है। जितना सोना मेरे घर में मिला, वह 2005 में मैंने पहली बार खुद खरीदा था। मैं उस समय तभी खरीदने लायक हो पाया था। मैंने साल 2005 से 2023 तक जितना भी सोना खरीदा, उसका एक-एक का बिल मैंने दिए हैं। सिर्फ एक गहने को छोड़कर जो मेरी पत्नी को उसकी शादी में मिला था। उसका बिल मेरे पास नहीं था। इसके अतिरिक्त पूरा बिल दिया हूं। इसके अलावा 6 बिला भी दिए हैं, जो भांजे की शादी हुई तो उसकी बहू को देने के लिए जो गहना खरीदा था और किसी भतीजे की शादी हुई तो उसके यहां देने के लिए जो सोने का गहना खरीदा था। उसका भी बिल दिया हूं। इसके बावजूद ईडी सारा गहना जब्त करके ले गई। उसने कहा कि आप इसका पुख्ता सबूत नहीं दे रहे हैं कि गहना कहां से खरीदे हैं। मैंने जब उन्हें बिल दिया तो उन्होंने जाते समय जो मुझे कागज दिए हैं, उसे कागज में पूरा विवरण है। कितना सोना हमने खरीदा और कितने का बिल में प्रोड्यूस किया। उसमें ये साफ-साफ लिखा हुआ है। जब मैंने पूछा कि कितना गहना रख सकता है घर पर तो ईजी बोली कि ये आईटी एक्ट में है ईडी एक्ट में नहीं है। उन्होंने कहा कि आप मुझे संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं, तो मैंने कहा कि मैं आपको कैसे संतुष्ट कर सकता हूं।

मेरे घर से 2 लाख 55 हजार 300 रुपए नगद ले गए

उन्होंने कहा कि आपने इस बिल को कैसे पेमेंट किया है, इसका सबूत आपके पास नहीं है, तो भारतीय कानून में पहली बार यह प्रावधान जोड़ना पड़ रहा है कि अगर कोई चीज बिल से खरीदते हैं। कच्चे में नहीं खरीदते हैं तो उस बिल के पेमेंट का मोड भी आपको रखना पड़ेगा। यह आईपीसी और सीआरपीसी को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। 2 लाख 55 हजार 300 मेरे घर से नगद ले गए। उन्होंने मेरे घर में कोना-कोना छान मारा। मेरे बेटे की शादी हुई थी, उसके लिफाफे पड़े हुए थे उन सब लिफाफों के सारे पैसे निकाल लिए गए। जो नगद मिला था, उसे मेरे बेटे ने ईमेल पर पूरा सबूत बना रखा था। लिफाफे में कितना पैसा मिला, इसका पूरा हिसाब लिखा हुआ है। उसने भी पेश कर दिया कि इसमें इतने पैसे आए थे। उन्होंने कहा कि आप मुझे संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं।

किश्तों में खरीदे थे गहने

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जो अधिकारी आपके यहां छापा मारने आया है, उसकी मंशा क्या है। मैंने सारे सबूत दिए हैं। मेरे बैंक अकाउंट का डिटेल उनके पास है। मैंने सारे लेन-देन उन्हें दिखाए। यह मेरा मकान है, इस पर इतना लोन चल रहा है सब आप चेक कर लीजिए, तो अब सवाल ये है कि इसे डकैती के अलावा क्या कहा जाए। आपके पास पूरे सबूत हैं, उसके बावजूद भी आपसे पूछा जा रहा है कि आप सबूत दीजिए। हम घर में दो बार गहने खरीदते हैं एक बार मेरी पत्नी के जन्मदिन पर और हमारी शादी के सालगिरह पर। वो भी हमने एक कंपनी से किश्तों में खरीदे हैं।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दिनों ईडी इस तरह हो गई है कि आपका कान कौआ ले गया, तो वह उसके पीछे भागने लगेगी। ईडी की बुद्धि कहीं और से संचालित हो रही है। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि ये जो कुछ भी हो रहा है वह केंद्र सरकार के इशारे पर हो रहा है। ये फैसले कहां से हो रहे हैं? इसका आधार क्या है? एक पुलिस वाले का बयान है या एक मंत्री का सपना है। बीजेपी और केंद्र सरकार का मकसद है कि जो लोग कांग्रेस सरकार में हैं। चुनाव की दृष्टि से काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर काम कर रहे हैं। उनके प्रशिक्षण से लेकर चुनावी रणनीति तक सबको प्रभावित किया जाए। किसी भी तरह से हासिए पर डाला जाए, जेल में डाला दिया जाए।

पीएम मोदी पर लगाए आरोप

पीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी तानाशाही हैं। वह एक तानाशाही की तरह काम कर रहे हैं, जिसने अपने सारे प्रतिद्वंदियों को रोक दो, कुचल दो, मार दो, जेल में भर दो। विपक्ष नाम का कोई संस्था बचे ही नहीं। इसके अलावा कोई चीज नहीं हो सकती। कोई भी जांच एजेंसी अगर कहीं कोई कार्रवाई करने जाती है तो आधार लेकर जाती है। कल में उनसे बार-बार इसी आधार को लेकर पूछते रहा। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से डरकर वह परिणाम को बदलने की कोशिश करना चाह रही है। सवाल यह है कि यह मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करना चाहते हैं, यह स्वागत योग्य कदम है। छत्तीसगढ़ पुलिस भी जांच कर रही है महादेव एप में बहुत लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। केंद्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि लूडो और क्रिकेट जैसे खेल को केंद्र सरकार ने जुए में बदल दिया है।

पूर्व की रमन सरकार पर भी बरसे

वर्मा ने पूर्व की रमन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली बार भी कोशिश हुई थी । मुझे निशाना बनाया गया था। मुझे गिरफ्तार कर ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज किया गया था। सीबीआई ने भरपूर कोशिश की, वह बोलते रहे कि आप इनका-उनका नाम ले लो, मैंने कहा कि मैं किसी का नाम नहीं लूंगा।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर पहुंचे भारत निर्वाचन आयोग के ऑफिसर, तैयारियों की करेंगे समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम चुनाव को कुछ ही महीने बचे हैं। प्रदेश में चुनाव को लेकर प्रशासनिक अधिकारी तैयारियों में जुटें हुए हैं। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग के ऑफिसर विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने रायपुर पहुंचे हुए हैं। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों का स्वामी विवेकानंद विमानतल पर स्वागत किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल और भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारीगण आज सुबह रायपुर पहुंचे। अधिकारीगण प्रदेश में विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार, उप निर्वाचन आयुक्त अजय भादू, महानिदेशक बी नारायणन, निदेशक यशवेंद्र सिंह, संतोष अजमेरा, निदेशक (आईटी) अशोक कुमार, संयुक्त निदेशक अनुज चांडक भी आज रायपुर पहुंचे।

आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में की दो सहप्रभारी की नियुक्ति

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने अमोलक सिंह व अमृतपाल सिंह सुखानंद को छत्तीसगढ़ का सहप्रभारी बनाया है। दोनों नवनियुक्त सहप्रभारी पंजाब के विधायक हैं। महासचिव संदीप पाठक ने छत्तीसगढ़ में इन दो सहप्रभारियों की नियुक्ति की है। उल्लेखनीय है कि अमोलक सिंह पंजाब के फरीदकोट जिले की जैतो व अमृतपाल सिंह सुखानंद मोगा जिले की बाघा पुराना विधानसभा से विधायक है।

आरडीए में ऑनलाईन भुगतान प्रारंभ

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण ने आवंटितियों को अपनी संपत्तियों की राशि भुगतान करने के लिए ऑनलाईन पेमेन्ट की सुविधा प्रारंभ कर दी है। रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री धर्मेश कुमार साहू के अनुसार भुगतान करने हेतु आवंटितियों को प्राधिकरण से उनके मोबाईल पर एसएमएस से डिमान्ड नंबर मिलेगा। इसके बाद भुगतान के लिए आवंटितियों को प्राधिकरण की वेबसाईट आरडीए डॉट सीजीस्टेट डॉट जीओवी डॉट इन पर जाना होगा। वेबसाईट में ऊपर दाहिनी ओर अंग्रेजी में ऑनलाईन पेमेन्ट का मेन्यू दिखेगा। इसमें क्लिक करने पर ऑनलाईन भुगतान हेतु ई-लिंक में स्थानांतरित किया जाएगा। जिसमें ऑनलाईन विंडो खुल जाएगी। इसमें डिमान्ड नंबर डालते ही आवंटिति के भुगतान का विवरण उसकी संपत्ति के विवरण के साथ आ जाएगा। भुगतान किन किन मदों में होगा इसका विवरण होगा। इसमें दर्शित कुल राशि का भुगतान हेतु नीचें दाहिनी ओर मेक ऑनलाईन पेमेन्ट का बटन क्लिक करना होगा। इससे बाद पेमेन्ट इन्फरमेशन विंडो खुलेगी। जिसमें भुगतान हेतु क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग तथा यूपीआई के विकल्प उपलब्ध होगा। यूपीआई के अंतर्गत भीम यूपीआई, पे-फोन, जीपे (तेज), पेटीएम व व्हॉट्सएप्प के माध्यम से भुगतान किया जा सकेगा। यूपीआई से भुगतान के लिए क्यू आर कोड से भुगतान हो सकेगा। भुगतान के बाद इसकी रसीद भुगतानकर्ता प्रिन्ट कर सकेगा।

ईडी की छापा केंद्र की राजनीतिक षड्यंत्र : मुख्यमंत्री भूपेश

■ रमन का जवाब- सट्टा से भी जुड़े हुए हैं तार

रायपुर। ईडी की कार्रवाई पर प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। मामले में सीएम भूपेश बघेल और पूर्व सीएम रमन सिंह में जमकर जुबानी जंग चल रही है। एक दूसरे पर खूब आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि महादेव सट्टा एप पर राज्य सरकार ने कार्रवाई की है। ईडी को महादेव सट्टा एप के सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार करना चाहिए, जो कि देश बाहर बैठा हुआ है। इस पर सरकार ने लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया है, लेकिन ईडी राजनीतिक साजिश के तहत छत्तीसगढ़ में काम कर रही है। केवल अधिकारियों को पॉलिटिकल एंगल से ही देखा। अधिकारी का चुनाव में कैसे उपयोग कर सके, केवल यही देखा गया। भाजपा मान चुकी है कि पाटन में विजय बघेल की दाल गलने वाली नहीं है, इसलिए ईडी को भेजा गया है। ये केंद्र की राजनीतिक षडयंत्र है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जो लोग चुनाव में काम कर रहे हैं, उसे बाधित करने के लिए ईडी को भेज दिया गया। इसका मतलब है कि आने

वाले समय में केंद्र सरकार ईडी और आईटी को भेज देगी ताकि कांग्रेस सरकार काम न कर सके। ईडी को शराब घोटाला, कोयला घोटाले का हिसाब देना चाहिए। रमन सिंह को चिटफंड और पनामा पर जवाब देना चाहिए। पिछले चुनाव में भी विनोद वर्मा को घेरे थे। मुझे भी गिरफ्तार किया गया था। भाजपा सीधा चुनाव नहीं लड़ पा रही है तो ईडी को आगे कर लड़ाई चड़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले भी महादेव एप पर कार्रवाई की है। कई लोग जेल में हैं तो कई बेल पर है।

ये टारगेट करके हमला किया जा रहा

पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि रमन सिंह पहले बताएं कि इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक में किसकी रिकवरी हुई। ये रमन सिंह ने क्यों नहीं किया? चिटफंड कंपनी पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? चिरंजीव कौन सा धंधा करते थे कि संपत्ति बढ़ गई? इनकी ऐसी कौन सी कमाई है? यह प्रजातांत्रिक तरीके से प्रचार क्यों नहीं करती? भाजपा को गलत तरीके से ही सरकार क्यों बनानी है ? टारगेट करके हमला किया जा रहा है। ऐसे में अब केवल कोर्ट का ही रास्ता बचा है।

आज दिल्ली दौरे पर सीएम बघेल

सीएम बघेल गुरुवार को दिल्ली दौरे पर थे। वहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार को 12 बजे रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

सट्टा से भी जुड़े हुए हैं सरकार के तार: रमन

दूसरी ओर सीएम भूपेश बघेल के सलाहकार विनोद वर्मा के आरोपों पर पूर्व सीएम रमन सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अभी तक हम सरकार के शराब घोटाला, कोयला घोटाला और चावल घोटाला को गिनते थे। अब यह मालूम चला कि सरकार के तार सट्टा से भी जुड़े हुए हैं।

सरकार को मंथली मोटी रकम दिया जाता था, इसे प्रमाण के साथ ईडी ने पेश किया है। महादेव एप के नाम पर जुआ और सट्टा के प्रशिक्षण के लिए दुबई भेजा जाता था। यही कौशल उन्नयन सरकार कर रही है। वर्मा के सीडी बंटवाए जाने के आरोप पर कहा कि सीडी लहराते हुए आप लोगों ने दिखाया था, इसमें हमारा हाथ है, या भूपेश जी का। जो पैसे जब्त किए गए हैं। वह कांग्रेस वालों के पास से ही जब्त किए गए हैं, भाजपा वालों के पास से नहीं। मोटी रकम कहां से आ रही है। ईडी ने 75 करोड़ का हिसाब दिया है।

भाटापारा विधानसभा सीट पर ओबीसी वोटर तय करता है हार जीत

बलौदाबाजार। भाटापारा विधानसभा सीट छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले की सामान्य सीट है। यहां साल 2013 से भाजपा का कब्जा रहा है। जबकि इससे पहले कांग्रेस का ही विधायक था। साल 2018 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी शिवरतन शर्मा ने कांग्रेस के पूर्व विधायक सुनील माहेश्वरी को हराया था। तीसरे नंबर पर यहां जेसीसीजे के चैतराम साहू रहे। चैतराम साहू ने साल 2013 का चुनाव कांग्रेस पार्टी से लड़ा था,शिवरतन शर्मा से उन्हें हार मिली, जिसके बाद वे जेसीसीजे में शामिल हो गए थे। यहां 55 प्रतिशत ओबीसी वोटर है जो जीत हार तय करते हैं।

भाटापारा विधानसभा में कुल 242716 मतदाता हैं। जिसमे 121492 पुरुष और 121217 महिलाएं हैं। 7 ट्रांसजेंडर है। भाटापारा में 2 विकासखंड हैं। 164 गांव 136 ग्रामपंचायत 282 मतदान केंद्र हैं। यहां ओबीसी वोटर 55 प्रतिशत है। एसटी 18 प्रतिशत, एससी 16 प्रतिशत और सामान्य वोटर 9 प्रतिशत है।

मुद्दे और समस्याएं- 40 साल पहले से यहां के लोग भाटापारा को जिला बनाने की मांग कर रहे हैं। कई महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों का भाटापारा में स्टॉपेज देने की मांग यहां के लोग कर रहे हैं। भाटापारा में सर्व सुविधा युक्त बस स्टैन्ड का निर्माण, सिद्ध बाबा रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग प्रमुख मुद्दा है। यहां इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, सर्व सुविधा युक्त इंडस्ट्री नहीं होने की वजह से यहां के छात्रों को बाहर जाकर पढ़ना पड़ता है। शिक्षा का स्तर काफी गिरा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय सीमेंट सयंत्र होने के बावजूद क्षेत्रीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा। प्लांट का धुआं और गंदा पानी फसलों को बर्बाद कर रहा है। पर्यावरण प्रदूषण और पानी की कमी की वजह से साथ ही सिंचाई संसाधनों की भी यहां कमी है। जलस्तर 700 फिट नीचे चले गया है। सीमेंट प्लांट में चलने वाली ओवरलोड गाड़ियों के कारण सड़के जर्जर है जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं।

साल 2018 चुनाव की स्थिति- 2018 में भाटापारा विधानसभा सीट पर करीब 92 फीसदी मतदान हुआ। इसमें बीजेपी को 36 फीसदी वोट, कांग्रेस को 29 फीसदी वोट और छ्त्त्छ्छ को 26 फीसदी वोट मिले। बीजेपी प्रत्याशी शिवरतन शर्मा ने कांग्रेस के पूर्व विधायक सुनील माहेश्वरी को 11909 वोटों से हराया था। शिवरतन शर्मा को 63399 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के सुनील माहेश्वरी को 51490 वोट मिले थे। जेसीसीजे प्रत्याशी चैतराम साहू 45907 वोट हासिल कर के तीसरे नंबर पर थे। साल 2013 में भी भाटापारा में भाजपा का विधायक था। साल 2008 और 2003 में कांग्रेस का विधायक बना था।

भाटापारा रायपुर और बिलासपुर का सबसे बड़ा व्यवसायिक शहर माना जाता है। यहां प्रदेश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी मंडी है। राइस मिल, पोहा मिल और दाल मिल सबसे ज्यादा है। यहां से देश के अलग अलग राज्यों व विदेशों में सप्लाई होती है। इसके अलावा भाटापारा को धर्म की नगरी भी कहा जाता है।भाटापारा में हर धर्म के लोग रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कुम्हारीवासियों को दी 55 करोड़ 33 लाख के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने जन्मदिन पर दुर्ग जिले के कुम्हारी में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों को 55 करोड़ 33 लाख 56 हजार के विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 7 करोड़ 95 लाख 43 हजार रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 47 करोड़ 38 लाख 13 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में नागरिकों ने उनके जन्मदिवस पर मंच में लड्डुओं और किसानों ने धान से तौला।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न विकास कार्यों हेतु 4 करोड़ 73 लाख 93 हजार रुपए एवं दुर्ग के कृषि उपज मंडी समिति अंतर्गत 3 निर्माण कार्यों हेतु 3 करोड़ 21 लाख 50 हजार रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसी प्रकार भूमिपूजन अंतर्गत उन्होंने विकासखंड पाटन की भिलाई डिस्ट्रीब्यूट्री एवं इसके 5 नग माइनर नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य हेतु 13 करोड़ 61 लाख 36 हजार, कुम्हारी बड़ा तालाब (वार्ड क्रमांक 13) से कुम्हारी शमशान घाट तक 1.5 किमी क्षेत्र में मार्ग एवं पुलिया निर्माण हेतु 3 करोड़ 49 लाख 15 हजार रुपए, नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों हेतु 4 करोड़ 1 लाख 85 हजार रुपए एवं कृषि उपज मंडी समिति, दुर्ग के अंतर्गत 16 निर्माण कार्यों हेतु 26 करोड़ 25 लाख 77 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पाटन क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की धरती को नमन करते हुए सभी नागरिकों को जन्मदिवस की आशीष देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि पाटन क्षेत्र में राजनीतिक जागरूकता शुरू से रही है। पाटन क्षेत्र के बुजुर्ग लोगो के आशीर्वाद से आज प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ प्रदेश किसानों का प्रदेश है। सरकार ने किसानों के आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है। विगत पौने पांच साल में 1 लाख 70 करोड़ की राशि विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के खाते में डाले गए हैं।

कुरुद विधानसभा में क्या है जनता का मूड, जानिए राजनीतिक समीकरण?

रायपुर। छत्तीसगढ़ की हाईप्रोफाइल सीट में से एक है कुरुद विधानसभा। यह धमतरी जिले में आती है। छत्तीसगढ़ की सियासत में कुरुद विधानसभा सीट की खासी अहमियत मानी जाती है। इस सीट से बीजेपी के कद्दावर नेता अजय चंद्राकर आते हैं। राजनीतिक नजरिए से भी देखें तो राजनीति में इस इलाके की खासी अहमियत है।भौगोलिक स्थिति की बात करें तो कुरुद विधानसभा के पूर्व में गरियाबंद विधानसभा और पश्चिम में पाटन और बालोद विधानसभा पड़ती है। वहीं उत्तर में राजिम के साथ अभनपुर विधानसभा और दक्षिण धमतरी सहित सिहावा विधानसभा पड़ती है।

राजनीतिक इतिहास- कुरुद विधानसभा से चुनाव जीतकर भोपालराव पवार कांग्रेस और बीजेपी से यशवन्त राव मेघावाले मध्यप्रदेश शासनकाल में मंत्री बने थे। वहीं वर्तमान में बीजेपी के कद्दावर नेता और कुरुद विधायक अजय चंद्राकर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वैसे कुरुद विधानसभा में तीसरी पार्टी का कोई वजूद नहीं रहा है। नए परिसीमन के बाद मगरलोड क्षेत्र के 90 गांव इस विधानसभा से अलग हुए और भखारा क्षेत्र के 42 गांव विधानसभा में शामिल हुए। परिसीमन के बाद हुए चुनाव में बीजेपी को जरूर झटका लगा। लेकिन बाद में बीजेपी ने यहां अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया।

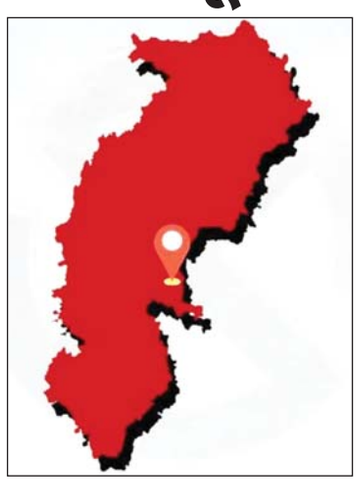

मतदाताओं की स्थिति- कुरुद विधानसभा की जनसंख्या तकरीबन 2 लाख 1 हजार 296 है। जिसमें 1 लाख 898 पुरुष और 1 लाख 398 महिला मतदाता हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में साहू मतदाता अधिक हैं। लेकिन कुर्मी वोट भी चुनाव प्रभावित करते हैं। 51 फीसदी महिला मतदाता है। इस क्षेत्र में करीब 1 लाख साहू मतदाता हैं।इसके अलावा करीब 35 हजार कुर्मी मतदाता है।हालांकि यहां जातिगत चुनाव मायने नहीं रखते हैं।कुरुद के मतदाताओं की जागरुकता इस बात से भी दिखती है कि वे मतदान के अधिकार का उपयोग करने में आगे रहते हैं।जिले में सबसे ज्यादा वोटिंग कुरुद विधानसभा में होती है।

राजनीतिक समीकरण- कुरुद विधानसभा की खासियत ये है कि यहां की जनता बीजेपी और कांग्रेस को बराबर का मौका देती आई है। यहां हुए कुल 14 चुनाव में 8 बार बीजेपी और 6 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 1962,1972 और 1977 में यशवन्त राव मेघावाले विधायक बने,लेकिन उन्हें 1967 और 1980 में हार का सामना भी करना पड़ा।वर्ष 1998 और 2003 में यहां से अजय चंद्राकर विधायक बने,लेकिन उन्हें भी 2008 में लेखराम साहू से हार का सामना करना पड़ा। साल 2013 में अजय चंद्राकर रिकॉर्ड मतों से जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

2018 में चुनावी परिणाम- 2018 विधानसभा चुनाव में अजय चन्द्राकर एक बार फिर चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अजय चंद्राकर को बीते चुनाव में 72922 वोट मिले थे,वहीं कांग्रेस से बागी रहे नीलम चन्द्राकर को 60605 वोट मिले। वहीं कांग्रेस पिछले चुनाव में यहां तीसरे नंबर पर सिमट कर रह गई।कांग्रेस के लक्ष्मीकांत साहू को 26483 मिले थे।

समस्याएं और मुद्दे- अजय चंद्राकर वर्ष 2003 से 2008 तक और वर्ष 2013 से 2018 तक वे कैबिनेट मंत्री रहे। इस 10 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने कुरुद नगर में अनेक विकास कार्य किए।पुल- पुलियों और सड़कों का जाल बिछाया।केन्द्रीय विद्यालय खुलवाया। कुरुद से विशाखापट्टनम तक सड़क की बड़ी परियोजना को मूर्त रूप दिया। मंत्री रहते हुए उन्होंने कुरुद को प्रदेश में नई पहचान दी। यहां कृषि, बेरोजगारी, महानदी पर अवैध खनन, स्वास्थ्य सुविधा और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हावी हैं। लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है लगातार डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को धमतरी या फिर रायपुर रिफर कर दिया जाता है। जो इस बार चुनावी मुद्दे हो सकते हैं क्षेत्र की रेत खदानों में अवैध उत्खनन का मुद्दा चुनावी मुद्दा हो सकती है।

कुरुद विधानसभा सीट शुरू से ही हाईप्रोफाइल रही है इस सीट पर पूरे प्रदेश की नजर टिकी रहती है इस बार भी कुरुद का चुनावी संग्राम दिलचस्प हो सकता है।वहीं चंद्राकर की सीट भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल रहेगी। हालांकि इस सीट पर कब्जा वापस पाने भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

छत्तीसगढ़ बीजेपी का बड़ा आरोप : भाजपा नेताओं का चुनाव आयुक्त को पत्र

वोटर लिस्ट में बाहरी व्यक्तियों का नाम जोड़ रहे बीएलओ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद व प्रदेश निर्वाचन समिति के संयोजक सुनील सोनी, विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और प्रदेश निर्वाचन समिति के सह संयोजक डॉ. विजयशंकर मिश्र ने भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के नाम एक पत्र सौंपा है।

इस पत्र के ज़रिए ये अवगत कराया है कि कई स्थानों से बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा निर्धारित स्थानों पर उपस्थित रहने के बजाय कार्यालीन समय के बाद अनधिकृत व्यक्तियों से थोक रूप में फॉर्म प्राप्त कर गलत एवं बाहरी व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने की गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। भाजपा नेताओं ने मतदाता सूची में नाम जोड़े जाने, परिवर्तन इत्यादि हेतु चल रहे विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम में संलग्न कर्मचारियों द्वारा दायित्व की घोर अवहेलना और भाजपा के बूथ लेवल एजेंट द्वारा सुनवाई न होने की मिली व्यापक शिकायतों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

भाजपा सांसद सोनी, विधायक अग्रवाल व सह संयोजक डॉ. मिश्र ने अपने पत्र में कहा है कि प्रदेश के लगभग सभी जिलों से बूथ लेवल एजेंट द्वारा द्वारा सूचित किया गया है कि बूथ लेवल ऑफिसर निर्धारित स्थान पर अनुपस्थित रहते हैं तथा अपने बूथ में नहीं बैठ रहे हैं। कई बार इसकी शिकायत भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ के निर्वाचन कार्यालय को की गई है। इस पर निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी कलेक्टर को आदेश देकर बूथ लेवल ऑफिसर को निर्धारित स्थान में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे, किन्तु अब भी बूथ लेवल ऑफिसर क्षेत्र में निर्धारित स्थानों पर उपस्थित नहीं रहते जिससे मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु आ रहे लोग हतोत्साहित होकर वापस लौट रहे हैं।

अभी भी लगभग सभी जिलों से इस आशय की शिकायतें प्राप्त हो रही है। निर्वाचन आयोग तथा कलेक्टर द्वारा इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अभी तक किसी भी बूथ लेवल ऑफिसर के विरुद्ध दायित्व की अवहेलना हेतु कोई दण्डात्मक कार्रवाई नहीं की गई। भाजपा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ से यह अनुरोध किया गया है कि बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा नए नाम जोड़ने तथा गलत नाम को विलोपित करने के कार्य में ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इसलिए नए नाम जोड़ने तथा नाम विलोपित करने का समय 31 अगस्त के बाद 15 दिन और बढ़ाया जाए और नाम जोड़ने का कार्य 15 अक्टूबर तक किया जाय।पत्र में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए आदेशों का पालन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के द्वारा नहीं कराया जा रहा है। समस्त जिला निर्वाचन अधिकारीयों को निर्देशित किया जाये कि वे यह सुनिश्चित करें कि बूथ लेवल ऑफिसर निर्धारित स्थानों पर नियमित रूप से पर्याप्त संख्या में निर्धारित प्रारूप (फॉर्म) के साथ उपस्थित रहें क्योंकि प्रक्रिया में अत्यधिक विलम्ब हो चुका है, अतः 26 और 27 अगस्त, शनिवार तथा रविवार के अवकाश दिवस में भी नाम जोड़ने का कार्य जारी रखा जाये।

प्रदेश में कई स्थानों पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए लगाए गए बूथ लेवल ऑफिसर हड़ताल पर हैं, कई कर्मचारी यूनियन अभी सरकार के विरुद्ध हड़ताल पर बैठे हैं। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग द्वारा वैकल्पिक बूथ लेवल ऑफिसर की नियुक्ति तक नहीं की गयी है। इससे मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य बंद है। इसी प्रकार निर्देशों के अनुसार बूथ लेवल ऑफिसर को बूथ में नाम जोड़ने के लिए निर्धारित फॉर्म नंबर-1 तथा नाम काटने के लिए फॉर्म नंबर-7 लेकर उपस्थित रहना है और नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध करना है किंतु लगभग सभी जिलों से निरंतर शिकायत प्राप्त हो रही है कि जहाँ बूथ लेवल ऑफिसर उपस्थित भी हैं उनके पास कोई फार्म उपलब्ध नहीं है। नाम जुड़वाने हेतु आ रहे व्यक्तियों को बाज़ार से फॉर्म खरीदने को कहा जा रहा है। फॉर्म के अभाव में नाम नहीं जोड़ा जा रहा है। क्या यह जिला निर्वाचन अधिकारी का 'फार्म भ्रष्टाचार' है।

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 आयुष संस्थाओं को दिए पुरस्कार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार वितरित किए। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का चार चरणों में मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट पाए गए 25 आयुष संस्थाओं का इन पुरस्कारों के लिए चयन किया गया था। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम तथा अपशिष्ट प्रबंधन के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। कायाकल्प-आयुष की शुरूआत के बाद पूरे देश में आज पहली बार छत्तीसगढ़ में आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद चयनित संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती कविता गर्ग और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्लै भी कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में शामिल हुईं।

बीजेपी के कार्यकर्ता सम्मेलन में दिग्गज नेता हुए शामिल

घोटाला होगा तो छापा जरूर पड़ेगा: डॉ. रमन सिंह

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी का कोरबा जिले के पाली तानाखार विधानसभा में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही कोरबा जिले के बीजेपी जनप्रतिनिधियों के साथ- साथ इस सम्मेलन में हज़ारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी ने पाली तानाखार विधानसभा में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर विधानसभा चुनाव 2023 का चुनावी बिगुल फूंक दिया है। सम्मेलन में बीजेपी के दिग्गत नेताओं ने अपने उद्बोधन से कार्यकर्ताओं को रिचार्ज किया। साथ ही पाली तानाखार विधानसभा के लगभग सात हज़ार छह सौ लोगों ने बीजेपी प्रवेश किया। मुख्य अतिथियों ने सभी को बीजेपी का गमछा पहनाकर का स्वागत किया।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरा की लाली, शराब के दलाली है। वहीं बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार लबरा सरकार है। छत्तीसगढ़ आज धर्मांतरण व भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है। पाली तानाखार के पूर्व विधायक व बीजेपी नेता राम दयाल उइके ने कहा कि इस बार छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा कि भूपेश सरकार के पांच साल के कार्यकाल में जितने भी हालात पैदा हुए है जितने भी ईडी, सीडी की कार्रवाई हुई हैं उनमें मुख्यमंत्री व उनकी पूरी टीम शामिल है। और आज एक नया मामला सामने आया है जिसमे सट्टा के मामले में ईडी की टीम ने मुख्यमंत्री के वरिष्ठ साथी व उनके सलाहकार के यहां छापा मारा। इससे साफ जाहिर होता है कि छत्तीसगढ़ में जितने भी भ्रष्टाचार होते हैं उनका सीधा तार मुख्यमंत्री से ही जुड़ता है। छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला, चावल घोटाला, शराब घोटाला होगा तो ईडी का छापा पड़ेगा ही।

सुबह 6 बजे से 26 अगस्त को वाकेथॉन 2023: दौड़ेगा रायपुर, वोट करेगा रायपुर

रायपुर। राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने 26 अगस्त को मरीन ड्राइव तेलीबांधा से वाकेथॉन का आयोजन किया जा रहा है। वाकेथॉन के द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने और 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने प्रेरित किया जाएगा। दौड़ेगा रायपुर, वोट करेगा रायपुर का उद्देश्य लेकर आयोजित हो रही इस वाकेथॉन में शहर के युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, तृतीय लिंग समुदाय के लोग, समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित शासकीय अधिकारी कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। यह वाकेथॉन 26 अगस्त को सबेरे 6 बजे से तेलीबांधा तालाब स्थित मरीन ड्राइव से शुरू होगी। मरीन ड्राइव से शुरू होर आनंद नगर चैक होते हुए केनाल लिंक रोड से छत्तीसगढ़ क्लब और गांधी चैक होकर वाकेथॉन वापस मरीन ड्राइव पर समाप्त होगी।

छत्तीसगढ़ की सरकार ने खोला घोटाले की मंडली : संबित पात्रा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली में आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जहां तक छत्तीसगढ़ की सरकार है और उनकी छवि है छवि को धूमिल करने के लिए हमारी आवश्यकता नहीं है जिस प्रकार के बड़े-बड़े घोटाले, घोटालों की दुकान, घोटालों की मंडली, छत्तीसगढ़ की सरकार ने खोला हुआ है और उसका फ्रेंचाइजी भी बाटा हुआ है। इन घोटालों का हैडक्वाटर कहां पर है यह तो सभी जानते हैं। उसकी फ्रेंचाइजी भी है तो स्वाभाविक रूप से जब इस प्रकार से भ्रष्टाचार के दुकान खुलेंगे, घोटाले होंगे। चाहे वे सट्टा के

घोटाले हो या फिर शराब के घोटाले चाहे कोयला के घोटाले हो तो स्वाभाविक रूप से छींट उनके ऊपर पड़ेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जब पेड किए हैं ब्राइब तो होंगे ही रेड, रेड तो होंगे ही, रेड क्यों नहीं होगी? वह जमाना अब लद गया अब वह जमाना बदल गया है जब कांग्रेसियों को लगता था कि भ्रष्टाचार हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि अपने चार्जशीट देखा है कि नहीं यह मुझे पता नहीं है आप बताइए जिन लोगों ने चार्जशीट पढ़ा हुआ है यह लगभग 37 पन्नों का चार्जशीट है इस चार्जशीट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एएसआई चंद्रभूषण वर्मा, जो कि पुलिस का एक अधिकारी है 65 करोड रुपए का लेनदेन खुद ही स्वीकार करता है लेकिन वह स्वीकार करते हुए रवि उप्पल जी का नाम लेता है। कौन है यह रवि उप्पल? और बाकी जिनके नाम लेते है विनोद वर्मा कौन है? यह मुख्यमंत्री के खुद के लोग जब उनका नाम चार्जशीट में आता है और खुद यह कन्फेशन स्टेटमेंट में लिया गया है।

जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में लगेंगे विशेष स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में स्क्रीनिंग एवं विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजन के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। शिविर आयोजन के संबंध में संचालनालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-24 पुरखौती मुक्तांगन के समीप नवा रायपुर अटल नगर में 28 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे से उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में संबंधित जिलों के स्वास्थ्य विभाग के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य के कमार एवं बैगा विशेष पिछड़ी जनजातियों की महिलाओं में होने वाले कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा, स्तन, मुंह का कैंसर) एवं मासिक धर्म संबंधी समस्याओं, अन्य स्त्री रोग तथा कोयला उत्पादक क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी जनसंख्या में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की आवृत्ति एवं उनकी पहचान किए जाने के संबंध में स्क्रीनिंग तथा स्वास्थ्य जांच चिकित्सकीय अमलों द्वारा की जाएगी।

आयुक्त सह संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान श्रीमती शम्मी आबिदी ने उन्मुखीकरण कार्यशाला में संबंधित जिलों के सहायक आयुक्तों, संबंधित मंडल संयोजकों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे खुशहाल : दीपक बैज

रायपुर। भाजपा द्वारा किसानों के हित में घड़ियाली आंसू बहाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे ज्यादा खुशहाल है। छत्तीसगढ़ का किसान अपनी

फसल की सबसे ज्यादा कीमत छत्तीसगढ़ में पाता है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार देश में अकेली ऐसी सरकार है जो किसानों के धान को 2500 में खरीदने की गारंटी देती है और इस वर्ष तो 2640 रू. में किसानों का धान खरीदा गया। मोदी सरकार के द्वारा किसानों को धान के समर्थन मूल्य से अतिरिक्त भुगतान पर रोक लगाने के बाद भाजपा की किसान विरोधी चरित्र के काट के रूप में भूपेश बघेल सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू कर किसानों को 9000 और 10000 रू. प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी देना शुरू किया है। पिछले पांच साल में धान खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, कर्जमाफी के माध्यम से भूपेश सरकार ने किसानों के खाते में 1 लाख 70 हजार करोड़ रू. सीधे किसानों के खाते में डाला। भाजपा आदतन किसान विरोधी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हर चुनाव में किसानों को बोनस के नाम पर धोखा दिया। 2100 में धान खरीदी का वायदा कर किसानों का वोट लिया लेकिन वायदा नहीं निभाया। रमन राज के दौरान 1 जनवरी 2004 से 1 जनवरी 2019 अर्थात भाजपा के शासनकाल के 15 साल में 12937 किसानों ने आत्महत्या किया था।

अगर बघेल में नैतिकता बची हो तो तुरंत इस्तीफा दें : ओपी चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने आज महादेव एप्प को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी को घेरते हुए कहा कि इस ऑनलाइन सट्टे के जरिए आतंकी फंडिंग की आशंका है इसलिए मुख्यमंत्री को स्वयं आगे

आकर इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए से जांच करवाने की पहल करनी चाहिए।श्री चौधरी ने कहा कि ऐसी आशंकाएं जताई जा रही है कि दुबई से संचालित महादेव एप्प को कुख्यात माफिया गिरोह डी-कंपनी का संरक्षण प्राप्त है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आंतकी घोषित माफिया डॉन दाउद के जरिए किस तरह भारत में आंतकियों को फंडिंग की जाती है यह किसी से छिपा नहीं है। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज एक पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि दुबई एक इस्लामिक देश का हिस्सा है जहां जुआ, सट्टा आदि चीजों को अवैध घोषित किया गया है ऐसे में महादेव एप्प के माध्यम से दुबई में बैठकर हजारों करोड़ रुपए का ऑनलाइन सट्टा बिना किसी अंतर्राष्ट्रीय माफिया गिरोह के सहयोग के संभव नहीं है।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की भूपेश सरकार युवाओं को जुए और सट्टे की बुराई में धकेल कर सैकड़ों हजारों करोड़ रुपए इकठ्ठे करने वाले महादेव एप्प के प्रमोटर्स को संरक्षण देती रही है यह बात ईडी द्वारा माननीय विशेष न्यायालय में पेश किए गए अभियोजन पत्र में साफ तौर पर लिखी गई है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए एएसआई चंद्रभूषण वर्मा ने अपने बयानों में स्पष्ट किया है।

आतंकियों का फंडिंग रोकने में नाकाम नरेंद्र मोदी : ठाकुर

रायपुर । भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने देश से महादेव एप के माध्यम से करोड़ों रुपए की फंडिंग

आतंकियों एवं डी कंपनी को किए जाने का गंभीर आरोप लगाए हैं इससे समझ में आता है कि केंद्र की मोदी भाजपा की सरकार देश को सुरक्षा देने में नाकारा और नाकाम साबित हुई है। देश के भीतर से हो रहे आतंकियों को फंडिंग रोकने में नाकाम नरेंद्र मोदी एवं अमित शाह को तत्काल पद से इस्तीफा दे देना चाहिए? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने ओपी चौधरी से पूछा जब महादेव एप के माध्यम से आतंकियों को फंडिंग होने का आरोप भाजपा लगा रही है तब ऐसे में जब छत्तीसगढ़ पुलिस उन सटोरियों को पकड़ने के लिए उत्तर प्रदेश गई तब योगी भाजपा की सरकार ने पुलिस भेजकर उन सटोरियों को बचाने के लिए सामने क्यों आयी? सटोरियों को पकड़ने के लिए गई छत्तीसगढ़ पुलिस के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों की? आखिर उन सटोरियों के साथ भाजपा का क्या रिश्ता है? जब भाजपा के महामंत्री ओपी चौधरी को महादेव एप के बारे में इतनी जानकारी है कि उनके 50 लाख यूजर्स है 20000 कॉर्पोरेट गिरोह गृह है करंट सेविंग बैंक खाता और करीबन ढ़ाई सौ सेल कंपनियां है।

कांग्रेस सरकार में किसान सम्मान निधि से वंचितः चाहर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने प्रदेश की भूपेश सरकार को घोर किसान विरोधी बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए काफी काम किया है

और अब केंद्र सरकार तथा छत्तीसगढ़ में बनने जा रही भाजपा की प्रदेश सरकार, दोनों मिलकरकिसानों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगी। श्री चाहर गुरुवार को किसान मोर्चा के प्रदेशस्तरीय कार्यकर्ता महासम्मेलन के बाद कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने के लिए मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं ने रात-दिन परिश्रम करने का संकल्प व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जो देश में प्रगति की रफ्तार तेज हुई है और किसानों के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव व खुशहाली आई है, उसे लेकर वे गाँव-गाँव, घर-घर जाएंगे। श्री चाहर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कृषि का कुल बजट मात्र 25 हजार करोड़ रुपए का हुआ करता था, आज वही बजट 1.25 लाख करोड़ रुपए का है। यह बजट ही कांग्रेस और भाजपा के शासनकाल की कृषि नीति का अंतर स्पष्ट करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में अनेक फैसले लिए गए हैं। श्री चाहर ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के हित में मील का पत्थर रही है।

केन्द्रीय गृहमंत्री पदक" से सम्मानित हुए तीन अफसर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य से 03 पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2022 के लिये "अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री पदक" हेतु चयनित किया गया है। केन्द्रीय गृहमंत्री पदक एवं प्रमाण-पत्र का वितरण संबंधित पुलिस अधिकारियों को अशोक जुनेजा पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ द्वारा पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में 22 अगस्त 2023 को प्रदत्त किया गया।पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक दिव्या शर्मा को जिला रायपुर के थाना तेलीबांधा क्षेत्र में 9 वर्षीय बालिका के साथ उसके सौतेले पिता द्वारा अप्राकृतिक कृत्य एवं दुष्कर्म के मामले में विवेचना के दौरान युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर 04 दिवस के भीतर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा विचारण के दौरान माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फलस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं 90 हजार रूपये अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फलस्वरूप दिया गया है। निरीक्षक दिनेश यादव को जिला राजनादगांव थाना चिल्हाटी क्षेत्र में 10 वर्षीय अवस्यक बालिका के साथ बल पूर्वक दुष्कर्म करने की घटना में आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी कर युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा न्यायालय द्वारा अभियुक्त को युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फलस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फलस्वरूप दिया गया है।

एनफोर्समेट एजेंसियों की बैठक में चुनाव आयुक्त ने की समीक्षा

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने आज एनफोर्समेट एजेंसियों की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की तथा एनफोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदाता प्रलोभन पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के समस्त दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। भारत निर्वाचन

आयोग के निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल, भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त श्री धर्मेन्द्र शर्मा और नितेश व्यास, उप निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार साहू और आर.के. गुप्ता, उप निर्वाचन आयुक्त अजय भादू, महानिदेशक बी नारायणन, निदेशक यशवेंद्र सिंह, निदेशक अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रधान सचिव एन.एन. बुटोलिया, प्रधान सचिव एस.बी. जोशी, संयुक्त निदेशक अनुज चांडक और अवर सचिव रितेश सिंह ने बैठक में विस्तार से विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की समीक्षा की।बैठक में अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा धनबल का दुरुपयोग न हो, यह पूर्णतः सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस, आयकर, आबकारी, वन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, डी आर आई, परिवहन विभाग, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रिजर्व बैंक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सी जी एस टी, एस जी एस टी, डाक विभाग, उड्डयन विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, भारतीय रेलवे, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन अथारिटी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बैठक में विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में विस्तार से आयोग को अवगत कराया।साथ ही नोडल अधिकारी पुलिस श्री ओ पी पाल ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में आयोग को अवगत कराया।

आपातकालीन स्थिति में बिजली ग्रिड को बचाने होगा आटोमेटिक डिमांड मैनेजमेंट

रायपुर । बिजली की आपूर्ति के लिए पूरे देश में एक ग्रिड प्रणाली संचालित है, इसे सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ में स्वचलित मांग प्रबंधन प्रणाली (आटोमेटेड डिमांड मैनेजमेंट सिस्टम-एडीएमएस) लागू कर दी गई है। इससे आपातकालीन स्थिति में ग्रिड में अत्यधिक लोड होने पर स्वचलित तकनीक से भार प्रबंधन हो सकेगा, पहले इसे मेनुअली करना पड़ता था। इस प्रणाली को ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल के करकमलों से डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ ग्रिड को समर्पित किया गया। इससे जहां एक ओर ग्रिड को बचाने में सहायता मिलेगी, वहीं किसी एक क्षेत्र में भार प्रबंधन नहीं किया

जाएगा, बल्कि इस लोड को अनेक छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाएगा।

प्रदेश में मांग-आपूर्ति के बीच समन्वय बनाये रखने हेतु इस प्रणाली की स्थापना नेशनल ग्रिड कोड के नियमानुसार इसे लागू कर दिया गया है। गुरुवार को राज्य भार प्रेषण केंद्र डंगनिया में आयोजित कार्यक्रम में आज से इसे संचालन में लाया गया। ग्रिड में यदि आवृत्ति 50 हर्टज से कम होने एवं 100 मेगावाट से ज्यादा ओव्हर ड्रॉल की स्थिति में यह सिस्टम आटोमेटिक काम करने लगेगा। इसमें राज्य के चार विदुयत वितरण क्षेत्र दुर्ग, रायपुर बिलासपुर एवं रायगढ़ के 45 उपकेन्द्रों से निकलने वाले विभिन्न 33/11 केव्ही के 155 नग फीडरों के भार का मापन कर ग्रिड को सुरक्षित एवं संरक्षित किये जाने का प्रावधान है। यह प्रणाली छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र से स्वचालित रहेगी, जिसकी अद्यतन जानकारी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओं के प्रकोष्ठ में लगे हुए डैश बोर्ड पर प्रदर्शित होते रहेगी। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग के विनियमन के अनुसार इसे लागू किया गया है। जिसमें पहले अधिक मांग बढ़ने पर आपात स्थिति में ग्रिड को सुरक्षित करने के लिए भार प्रबंधन का मैनुअली होता था, इसमें समय अधिक लगता था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.